सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

मूल्य ₹ 3/-

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 11 ● अंकः 338 पृष्ठः 8 ● लखनऊ, गुरुवार 15 जनवरी, 2026

हहहहहहहहललललललल... 7 | नई दिल्ली में नहीं थम रही सियासी... 3 | कींकिकिकि... 2

ममता की गुगली में फंसा गयी ईडी ?

आईपैक तो बहाना है दरअसल ममता को निपटाना है

» सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई जारी, कोर्ट ने ईडी के आरोपों को गंभीर माना

» डीजीपी राजीव कुमार को हटाने के लिए ईडी ने सुप्रीम कोर्ट में दायर की याचिका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जो लड़ाई लोकतंत्र की पिच पर लड़ी जानी चाहिए थी वह लड़ाई इस वक्त सुप्रीम कोर्ट की दहलीज पर है। आज की बड़ी खबर यही है कि सुप्रीम कोर्ट में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की ईडी के खिलाफ दायर याचिका निबटा दी गयी है। यानि की ईडी वर्सेज सीएम के मैच में ईडी एक गोल से आगे है।

ईडी द्वारा राज्य के डीजीपी को हटाने वाली याचिका सूचिबद्ध है और उस पर फैसला आना बाकी है। पश्चिम बंगाल में आई-पैक पर ईडी की छापेमारी विवाद के बाद एजेंसी ने राज्य के डीजीपी राजीव कुमार को हटाने के लिए शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया है। ईडी का आरोप है कि ममता बनर्जी और डीजीपी राजीव कुमार ने उसकी जांच में बाधा डालने का काम किया।

सुप्रीम कोर्ट ने टीएमसी की याचिका खारिज की

ईडी की मांग निलंबित हो डीजीपी

ईडी की कहानी के मुताबिक यह कोई साधारण फील्डिंग नहीं थी बल्कि सीधा सीधा नो बॉल और फाउल प्ले था। एजेंसी का दावा है कि रेड के जांच बाधित हुई। ईडी इसे सिर्फ जांच में रुकावट नहीं बल्कि कानून की अवमानना और गंभीर अपराध बता रही है। इसी आधार पर अब ईडी ने सीधा सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है और मांग की है कि बंगाल के डीजीपी राजीव कुमार को निलंबित किया जाए।

ईडी के आरोपों पर कोर्ट गंभीर

कोर्ट ने सुनवाई के दौरान यह जरूर स्पष्ट किया कि आरोपों की प्रकृति गंभीर है लेकिन किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले सभी पक्षों को सुनना आवश्यक है। यही वजह है कि अदालत ने तत्काल कोई आदेश पारित करने से परहेज किया। यह रुख बताता है कि सुप्रीम कोर्ट इस मामले में संतुलन साधने की कोशिश कर रहा है। जहां एक ओर केंद्रीय एजेंसी की जांच का अधिकार है वहीं दूसरी ओर राज्य सरकार और संघीय ढांचे की मर्यादा भी दांव पर लगी है। फिलहाल फैसला टल गया है लेकिन लड़ाई खत्म नहीं हुई। अगली सुनवाई में यह स्पष्ट होगा कि सुप्रीम कोर्ट इस मामले को जांच के दायरे तक सीमित रखता है या इसे केंद्र-राज्य टकराव की बड़ी सवैधानिक बहस में बदल देता है।

ममता बनर्जी का क्लियर स्टैंड

एक ओर से ईडी पूरी रफ्तार में बाउंसर फेंक रही है तो दूसरे छोर पर ममता बनर्जी गुगली पर गुगली डालकर खेल पलटने में जुटी हैं। पश्चिम बंगाल की राजनीतिक लड़ाई का रोमांच इस समय सुप्रीम कोर्ट में महसूस किया जा सकता है जहां अंपायर का फैसला ही मैच का नतीजा तय करेगा। आई पैक पर ईडी की छापेमारी से शुरू हुआ यह मुकाबला अब महज एक जांच नहीं रहा। यह सीधा सीधा संघीय ढांचे बनाम केंद्रीय एजेंसी राज्य की सत्ता बनाम दिल्ली का हुक्म और चुनावी रणनीति बनाम जांच की राजनीति का महायुद्ध बन चुका है। ईडी का आरोप है कि जब उसने आई पैक पर रेड मारी तो मुख्यमंत्री ममता बनर्जी खुद डीजीपी राजीव कुमार के नेतृत्व में पुलिस बल के साथ मैदान में उतर आयीं और ईडी की गेंदबाजी को बीच ओवर में ही रोक दिया।

क्या है हकीकत

ईडी ने सुप्रीम कोर्ट से मांग की है कि सीबीआई को एफआईआर दर्ज करने और जांच के निर्देश दिए जाएं। साथ ही राज्य सरकार मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और डीजीपी राजीव कुमार के साथ कोलकाता पुलिस कमिश्नर मनोज वर्मा और अन्य अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। मतलब साफ है कि ईडी इस मैच को ड्रा पर छोड़ने के मूड में नहीं हैं वह सीधा नाक आउट चाहती है। लेकिन दूसरी तरफ सीएम ममता बनर्जी भी पूरी तैयारी से उतरी हैं। उनका नैरेटिव यह है कि आई-पैक पर रेड महज जांच नहीं बल्कि चुनावी रणनीति पर हमला है। ममता के मुताबिक ईडी बंगाल चुनाव से पहले उनकी टीम की प्लेबुक, डेटा और रणनीति हथियाना चाहती थी। यही वजह है कि मुख्यमंत्री खुद मैदान में उतरीं क्योंकि उनके लिए यह सिर्फ़ जांच नहीं बल्कि लोकतंत्र की आख़िरी ओवर की लड़ाई थी।

फैसला नहीं आया, सुनवाई जारी

आई-पैक पर ईडी की छापेमारी से उपजा बंगाल का राजनीतिक कानूनी संघर्ष अब सुप्रीम कोर्ट के दरवाजे पर पूरी गंभीरता के साथ दर्ज हो चुका है। शीर्ष अदालत ने ईडी द्वारा लगाए गए आरोपों को हल्के में लेने से साफ इनकार करते हुए यह संकेत दिया है कि मामला सिर्फ़ प्रक्रिया का नहीं बल्कि संवैधानिक और संस्थागत टकराव का है। हालांकि कोर्ट ने फिलहाल कोई अंतिम फैसला नहीं सुनाया है और मामले की सुनवाई जारी रखने का संकेत दिया है। सुप्रीम कोर्ट में ईडी की ओर से यह दावा किया गया कि आई-पैक पर छापेमारी के दौरान राज्य की मशीनरी ने जांच में सीधी बाधा डाली। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के मौके पर पहुंचने पुलिस बल की मौजूदगी और कथित तौर पर दस्तावेज व इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए जाने के आरोपों को एजेंसी ने गंभीर अपराध और कानून की अवमानना बताया। इन्हीं दलीलों के आधार पर ईडी ने डीजीपी राजीव कुमार पर कार्रवाई और सीबीआई जांच की मांग की है।

ममता पर बीजेपी का प्रहार

भारतीय जनता पार्टी के सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने आई-पैक के कार्यालय और सह-संस्थापक प्रतीक जैन के घर छापेमारी से जुड़े मामले में सुनवाई से पहले मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी ने संविधान की नींव को कमजोर करने की कोशिश की है। वह अपने इरादों में कभी कामयाब नहीं होंगी। भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि देश में पहली बार ऐसा हुआ है कि जब ईडी या किसी सरकारी जांच एजेंसी ने छापेमारी की तो उस राज्य के मुख्यमंत्री ने राज्य पुलिस को लाकर दखल दिया और कार्रवाई में रुकावट डाली। यह सवैधानिक परंपराओं और मर्यादा का साफ उल्लंघन है।

बीजेपी बार-बार ध्यान भटकाने वाली राजनीति करती है: अखिलेश यादव

» दर्जा प्राप्त मंत्री ठाकुर रघुराज सिंह पर भड़के सपा प्रमुख

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव का भाजपा पर हमला जारी है। उन्होंने कहा कि बीजेपी बार-बार ध्यान भटकाने वाली राजनीति करती है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में महंगाई, बेरोजगारी, कानून-व्यवस्था और किसानों की समस्याओं पर बात करने के बजाय बीजेपी नेता ऐसे बयान देते हैं, जिनसे बेवजह विवाद खड़ा हो। उनका कहना था कि जनता अब इन हथकंडों को समझने लगी है और ऐसे बयानों से असली मुद्दे दबाए नहीं जा सकते।

योगी सरकार के दर्जा प्राप्त मंत्री ठाकुर रघुराज सिंह ने फिल्म अभिनेता सलमान खान को देशद्रोही बताया था। जिस पर अब समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बीजेपी नेता और कैबिनेट मंत्री ठाकुर रघुराज सिंह पर निशाना साधा है। दरअसल यूपी सरकार के मंत्री ठाकुर रघुराज सिंह के एक विवादित बयान को लेकर सियासी घमासान खड़ा हो गया है। अब अखिलेश यादव ने इस बयान को न सिर्फ गैर-जरूरी बताया, बल्कि इसे बीजेपी की दोहरी सोच का उदाहरण भी करार दिया।

अपनी ही पुरानी यादों से परहेज करने लगे हैं भाजपाई

सपा चीफ अखिलेश यादव ने तंज कसते हुए कहा कि ऐसा लगता है कि विशेष बयान देने से पहले यूपी के मंत्री सामान्य ज्ञान की एक अहम बात भूल गए, उन्होंने बिना नाम लिए याद दिलाया कि कुछ साल पहले खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अभिनेता सलमान खान के साथ पतंग उड़ाते नजर आए थे, अखिलेश यादव ने कहा कि अगर अभिनेता के साथ मंच साझा करना या उनके साथ तस्वीरें खिंचवाना गलत है, तो फिर उस समय यह सब कैसे जायज़ था, उन्होंने सवाल उठाया कि क्या अब बीजेपी को अपनी ही पुरानी यादों से परहेज होने लगा है।

मंत्री को भनक लग गई है कि उनकी छंटनी भी तय

सपा चीफ अखिलेश यादव ने एक्स पर लिखा-लगता है ये विशेष बयान देने से पहले यूपी के मंत्री जी सामान्य ज्ञान के विषय की ये बात भूल गये कि उनके सर्वेसर्वा ने कुछ साल पहले अभिनेता जी के साथ पतंग उड़ाई थी। कहीं ऐसा न हो ये बयान दिल्ली तक पहुँच जाए और मंत्री जी की डोर कट जाएया हो सकता है ये बयान जानबूझकर दिया गया हो क्योंकि मंत्री जी को भनक लग गई होगी कि उनकी छंटनी भी तय है।

चुनाव आयोग की विश्वसनीयता पर सवाल

समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने आरोप लगाया था कि उत्तर प्रदेश में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रि या के तहत पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्याक) वर्गों के वोट मतदाता सूची से हटाए जा रहे हैं और उन्होंने चुनाव आयोग पर केंद्र सरकार के पक्ष में वोट जोड़ने में मदद करने का आरोप लगाया था। यादव ने चुनाव आयोग की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हुए दावा किया कि एक ही जिले से लगभग तीन लाख मतदाताओं के नाम हटाए जा चुके हैं और आगे भी नाम हटाए जाने की संभावना है। अखिलेश यादव ने पत्रकारों से कहा, अब तक एक जिले से 3 लाख वोट हटाए जा चुके हैं और आगे भी और वोट हटाए जाएंगे। इससे चुनाव आयोग की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल उठते हैं।

यूपी में 45 लाख मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए: संजय सिह

» आप सांसद ने बीजेपी व चुनाव आयोग को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आम आदमी पार्टी (आप) के सांसद संजय सिंह ने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश में लगभग 45 लाख मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं, जिससे मतदाता सूची संशोधन प्रक्रि या पर गंभीर सवाल उठते हैं। संजय सिंह ने कहा कि राज्य चुनाव आयोग ने दिसंबर में नगर निगम और ग्राम पंचायत चुनावों के लिए मतदाता सूची जारी की थी, जिसमें राज्य में कुल 17 करोड़ मतदाता दिखाए गए थे।

हालांकि, उन्होंने दावा किया कि विधानसभा चुनावों के लिए जारी की गई एक अन्य सूची, जिसमें ग्रामीण और शहरी दोनों मतदाता शामिल हैं, में केवल 12 करोड़ 55 लाख मतदाता ही दिखाए गए हैं। संजय सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश से 4.5 करोड़ वोट हटा दिए गए। राज्य चुनाव आयोग ने दिसंबर में होने वाले नगर निगम और ग्राम पंचायत चुनावों के लिए मतदाताओं की एक सूची जारी की है, जिसमें कुल 17 करोड़ मतदाता हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने ज्ञानेश कुमार और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ मिलकर विधानसभा चुनावों के लिए एक और सूची जारी की है, जिसमें ग्रामीण और शहरी मतदाताओं को मिलाकर कुल 12 करोड़ 55 लाख मतदाता हैं। ये 4.5 करोड़ मतदाता कहाँ गायब हो गए?... मैं चुनाव आयोग को पत्र लिखूंगा। उनके पास उन 2 करोड़ 17 लाख लोगों के फॉर्म 10 के रिकॉर्ड जरूर होंगे जिन्हें उन्होंने स्थानांतरित श्रेणी में दिखाया है। उन्हें ये रिकॉर्ड सार्वजनिक करना चाहिए।

चुनाव आयोग से पारदर्शिता की मांग

आम आदमी पार्टी के सांसद ने आगे आरोप लगाया कि बड़ी संख्या में मतदाताओं को स्थानांतरित श्रेणी में दिखाया गया है और उन्होंने चुनाव आयोग से पारदर्शिता की मांग की। उन्होंने कहा कि वे चुनाव आयोग को पत्र लिखकर बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) द्वारा रखे गए फॉर्म-10 के उन रिकॉर्डों का विवरण मांगेंगे, जिनमें कथित तौर पर स्थानांतरित के रूप में चिह्नित 2 करोड़ 17 लाख मतदाताओं का विवरण होगा। सिंह ने मांग की कि चुनाव आयोग पारदर्शिता सुनिश्चित करने और चुनावी प्रक्रिया में जनता का विश्वास बनाए रखने के लिए इन रिकॉर्डों को सार्वजनिक करे।

मैंने कभी श्री अकाल तख्त को चैलेंज नहीं किया: मुख्यमंत्री मान

» सीएम अकाल तख्त पर पेश जत्थेदार को दिया स्पष्टीकरण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अमृतसर। मुख्यमंत्री भगवंत मान गुरुवार को श्री अकाल तख्त साहिब पर पेश हुए। मान सुबह नंगे पैर श्री हरमंदिर साहिब पहुंचे और दरबार साहिब में माथा टेका। इसके बाद उन्होंने जत्थेदार कुलदीप सिंह गड़गज्ज को अपने बयानों को लेकर अपना स्पष्टीकरण दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वह एक सामान्य सिख की तरह नंगे पांव अकाल तख्त साहिब में पेश हुए। उन्होंने अपना स्पष्टीकरण जत्थेदार साहिब को सौंप दिया है। उन्होंने कहा कि ये धारणा बनाई जा रही थी कि भगवंत मान श्री अकाल तख्त साहिब की सर्वोच्चता को चुनौती दे रहे हैं लेकिन उनकी ऐसी नीयत नहीं है। अब सिंह साहिब क्या फैसला लेते हैं, ये बाद में उन्हें बताया जाएगा। वे हर फैसले से सहमत हूं।

सत्ता में आने पर सबकी आकांक्षा होगी पूरी: मायावती

बसपा प्रमुख ने 70वें जन्मदिन पर की घोषणा, 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' पर रहेगा जोर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने आज अपना 70वां जन्मदिन मनाया। अपने जन्मदिन के मौके पर मायावती ने उत्तर प्रदेश की सियासत में एक नया राजनीतिक दांव खेलते हुए 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' का नारा दिया और न सिर्फ दलितों और पिछड़ों बल्कि ब्राह्मण और क्षत्रिय-यादव समाज सहित सभी समुदायों को साधने की कोशिश भी की।

मायावती ने लखनऊ में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि अगर बसपा सत्ता में आती है तो 2007 की सरकार की तरह हर वर्ग की आकांक्षाओं को पूरा किया जाएगा। उन्होंने ब्राह्मण समाज के साथ क्षत्रिय और वैश्य समुदाय के कल्याण के लिए ठोस कदम उठाने का भरोसा दिलाया। साथ ही सपा के कोर वोटर माने जाने वाले यादव समाज के लिए भी पूरा ध्यान रखने का आश्वासन दिया। मायावती ने कहा कि बसपा ने हमेशा ब्राह्मण समाज को पूरा सम्मान दिया है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि ब्राह्मणों को किसी की दान-दया की जरूरत नहीं है और उन्हें भाजपा, सपा या कांग्रेस के बहकावे में नहीं आना चाहिए। मायावती ने भरोसा दिलाया कि बसपा की सरकार बनने पर ब्राह्मणों के साथ-साथ क्षत्रिय और जाट समाज का भी पूरा ध्यान रखा जाएगा, जबकि दलितों और अल्पसंख्यकों का संरक्षण पहले की तरह जारी रहेगा। मायावती ने पिछले महीने उत्तर प्रदेश विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के दौरान की घटना का हवाला देते हुए यह भी कहा कि ब्राह्मण विधायकों ने अपनी उपेक्षा और उत्पीड़न को लेकर चिंता जताई थी, और इसीलिए बसपा सरकार में ब्राह्मणों की हर चाहत पूरी होगी।

भाजपा, कांग्रेस और सपा से रहें सतर्क

मायावती ने भाजपा, कांग्रेस और सपा पर निशाना साधते हुए कहा कि ब्राह्मणों को इनके बहकावे में नहीं आना चाहिए क्योंकि ये दल उन्हें सिर्फ 'बाटी-चोखे' जैसी सामग्रियों से बहलाते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी सरकार के दौरान कभी किसी मंदिर, मस्जिद या चर्च को नहीं गिराया गया।

पीडीए एक छलावा

पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने समाजवादी पार्टी के 'पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) मंच पर भी निशाना साधा और इसे एक छलावा बताया। साथ ही उन्होंने 1995 के गेस्ट हाउस कांड का ज़िक्र करते हुए सपा पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि सपा केवल यादव समाज के एक ख़ास वर्ग का ध्यान रखती है।

मुख्यमंत्री आदित्यनाथ और अखिलेश ने उन्हें बधाई दी

बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती के जन्मदिन पर आज उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और समाजवादी पार्टी प्रमुख तथा पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने उन्हें बधाई दी। मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने 'एक्स' पर लिखा, बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री सुश्री मायावती जी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई। प्रभु श्री राम से आपके लिए दीर्घायु और उत्तम स्वास्थ्य की कामना है। समाजवादी पार्टी प्रमुख यादव ने लिखा, आदरणीय सुश्री मायावती जी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई। उनको स्वस्थ, स्वतंत्र जीवन और सार्थक सक्रियता के लिए अनंत शुभकामनाएं। उन्होंने लिखा, उन्होंने जीवन भर प्रभुत्ववादियों के खिलाफ जाकर शोषित, वंचित, उत्पीड़ित, उपेक्षित व अपमानित समाज के मान-सम्मान और अधिकारों के लिए जो रात-दिन अनवरत संघर्ष किया और संविधान विरोधी भाजपा तथा उनके संगी-साथियों को जिस तरह ललकारा, वो निरंतर बना रहे, इस कामना के साथ, उन्हें जन्मदिन की पुनः बधाई। बसपा प्रमुख मायावती का आज 70 वां जन्मदिन है। उनकी पार्टी इसे आज पूरे प्रदेश में जनकल्याणकारी दिवस के रूप में मना रही है।

मकर संक्रांति पर भी नहीं मिला पानी

» जोन-1 की जनता बेहाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम के जोन-1 अंतर्गत हजरतगंज क्षेत्र के जय प्रकाश नगर (बालू अड्डा) इलाके में मकर संक्रांति के पावन अवसर पर भी पेयजल आपूर्ति बाधित रही। बीते दो दिनों से पानी न आने के कारण स्थानीय लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

इलाके के निवासियों के अनुसार पानी की सप्लाई बंद होने से न केवल पावन स्नान प्रभावित हुआ, बल्कि पीने के पानी के लिए लोगों को बाजार से पानी खरीदना पड़ा। जलापूर्ति ठप होने के कारण महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों को दैनिक जरूरतों, विशेषकर शौचालय उपयोग में भी गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। हैरानी की बात यह है कि यह इलाका मुख्यमंत्री आवास से महज कुछ ही मिनटों की दूरी पर स्थित है, इसके बावजूद जलकल विभाग की ओर से समय पर कोई ठोस व्यवस्था नहीं की गई। स्थानीय लोगो का कहना है कि इस संबंध में कई बार शिकायत दर्ज कराई गई, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा पर्वों के दौरान निर्बाध जलापूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश पहले ही जारी किए जा चुके हैं, बावजूद इसके मकर संक्रांति जैसे महत्वपूर्ण पर्व पर लोगों को पानी से वंचित रहना पड़ा। स्थानीय लोगों ने जलकल विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए जल्द से जल्द पेयजल आपूर्ति बहाल किए जाने की मांग की है।

नई दिल्ली में नहीं थम रही सियासी बयानबाजी

प्रदूषण, सिखों के गुरु साहिबान पर मची रार

आप-बीजेपी की तकरार को कांग्रेस ने बताया बकवास

» प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष के निशाने पर केजरीवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में भाजपा की सरकार को आए लगभग एक साल होने को हैं। पर वहां पर अब बीजेपी के किए चुनावी वादे को लेकर आप उस पर हमलावर हो गई है। सबसे ज्यादा टकराव प्रदूषण व यमुना की सफाई को लेकर है। इसके अलावा विधान सभा में काम को लेकर भी नोकझोंक होती रहती है।

इन सबके बीच कांग्रेस चुटकी ले रही है। वह कह रही है कि दोनों दलों को जनता से कु छ लेना देना नहीं है ये बस नूराकुश्ती कर रह हैं। आरोप-प्रत्यारोप के इस के चलते असली मुद्दों पर चर्चा पीछे छूटती दिख रही है, जबकि राजधानी की सियासत फिर राजनीतिक रणनीतियों और बयानवीरता के इर्द-गिर्द सिमटती नजर आ रही है। उधर भाजपा भी आप पर बराबर हमले कर रही है।

भाजपा नेता धार्मिक उन्माद फैलाना चाहते हैं : भारद्वाज

भारद्वाज ने आरोप लगाया कि मंत्री कपिल मिश्रा और मनजिंदर सिंह सिरसा धार्मिक उन्माद फैलाना चाहते हैं। कहा कि विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता वीडियो पंजाब पुलिस के पास जाने के बारे में पूछ रहे हैं, जबकि मंत्री कपिल मिश्रा स्वयं यह वीडियो चला रहे हैं। यमुना सफाई पर सौरभ भारद्वाज ने कहा कि छठ पूजा और बिहार चुनाव समाप्त होते ही किसानों का पानी यमुना में छोड़ना बंद कर दिया गया। इसके बाद यमुना का प्रदूषण वास्तविक स्तर पर वापस आ गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकारें पर्यावरण संरक्षण के नाम पर केवल दिखावा कर रही है।

यमुना नदी को लेकर नए नए झूठ गढ़ें जा रहे

प्रदेश भाजपा के प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने सौरभ भारद्वाज पर निशाना साधते हुए कहा कि वे रोज यमुना नदी को लेकर नए-नए झूठ गढ़कर दिल्ली वालों को भ्रमित करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन अब जनता उनकी सच्चाई समझ चुकी है। कपूर ने कहा कि भाजपा के यमुना तट पर छठ पूजा का आयोजन कराए जाने से वे राजनीतिक रूप से हताश हो गए हैं। इसी हताशा में वे एक ही विषय पर लोगों को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं।

आतिशी पर कपिल का वार

दिल्ली सरकार के पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने नेता प्रतिपक्ष आतिशी पर आरोप लगाया कि विधानसभा में गुरु तेग बहादुर जी सम्मान से जुड़े विषय पर की गई टिप्पणी बेअदबी, गुनाह और पाप की श्रेणी में आती है। आतिशी का लापता होना साबित करता है कि पाप जानबूझकर किया गया है। मंत्री ने आरोप लगाया कि अरविंद केजरीवाल के इशारे पर पंजाब सरकार ने झूठे मुकदमे दर्ज कराए हैं।

सार्वजनिक माफी मांगें कपिल मिश्रा : ढांडा

आम आदमी पार्टी ने मंत्री कपिल मिश्रा से सिख गुरुओं की बेअदबी के लिए सार्वजनिक माफी मांगने की मांग की है। आप के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनुराग ढांडा ने कहा कि गुरुओं की बेअदबी अक्षम्य अपराध है और कपिल मिश्रा को अकाल तख्त जाकर प्रायश्चित करना चाहिए। अनुराग ढांडा ने कहा कि वीडियो की फोरेंसिक जांच में स्पष्ट हो चुका है कि गुरु शब्द बोला ही नहीं गया है। इसके बावजूद कपिल मिश्रा ने जानबूझकर सबटाइटल जोड़कर गुरुओं का अपमान किया।

आम आदमी पार्टी ने भी भाजपा को घेरा

आम आदमी पार्टी ने भाजपा सरकार पर नेता प्रतिपक्ष आतिशी की विवादित वीडियो की फोरेंसिक जांच को लेकर फर्जीवाड़े की आशंका जताई है। प्रदेश संयोजक सौरभ भारद्वाज ने कहा कि फोरेंसिक जांच केवल आतिशी की आवाज होने की पुष्टि करेगी, लेकिन यह नहीं बताएगी कि वीडियो में क्या बोला गया। सवाल उठाया कि क्या आतिशी ने वीडियो में गुरु शब्द कहा या नहीं, क्योंकि भाजपा आवाज प्रमाणित करवा रही है, न कि शब्दों की पुष्टि।

पंजाब पुलिस से फर्जी रिपोर्ट तैयार कराकर दबाने की कोशिश कर रही आप : सचदेवा

प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने आम आदमी पार्टी और उसके राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर हमला बोला है। कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी के छह दिसंबर को विधानसभा में सिखों के गुरु साहिबान के प्रति की गई कथित अभद्र टिप्पणी को लेकर पूरा आप नेतृत्व बौखलाया हुआ है। इसी घबराहट में पंजाब पुलिस से फर्जी रिपोर्ट तैयार कराकर मामला दबाने की कोशिश की जा रही है। सचदेवा ने कहा कि पंजाब पुलिस की रिपोर्ट के बावजूद यह मामला शांत नहीं हुआ तो अब अरविंद केजरीवाल ने आप की पूरी दिल्ली इकाई को रोजाना प्रेस कॉन्फ्रेंस करने के लिए मैदान में उतार दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली सरकार के मंत्री कपिल मिश्रा की ओर से सोशल मीडिया पर साझा की वीडियो को फर्जी बताने के लिए आप नेता लगातार झूठ फैला रहे हैं।

चार विधेयक पारित किए गए

कोर्ट फीस दिल्ली संशोधन विधेयक 2026, दिल्ली विनियोग (संख्या-एक) विधेयक 2026, दिल्ली जन विश्वास संशोधन विधेयक 2026 और दिल्ली दुकान एवं स्थापना संशोधन विधेयक 2026 शामिल हैं। साथ ही वित्तीय वर्ष 2025ङ्क26 के लिए अनुपूरक मांगों को भी स्वीकृति दी गई। सत्र के दौरान डिजिटल दस्तावेजीकरण अपनाने से 3.38 लाख से अधिक पृष्ठों की बचत हुई, जिससे लगभग 40.56 पेड़ों का संरक्षण हुआ। इससे चार से साढ़े मीट्रिक टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में कमी आई और लगभग 1.69 लाख रुपये की प्रिंटिंग लागत बची।

जनमुद्दों से भटका रहे हैं भाजपा आप : अनिल भारद्वाज

प्रदेश कांग्रेस ने विधानसभा के पांच दिवसीय शीतकालीन सत्र को पूरी तरह जनता के टैक्स के पैसों की बर्बादी साबित होने वाला करार दिया। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि सदन में जनहित से जुड़े मुद्दों पर चर्चा के बजाय भाजपा और आम आदमी पार्टी के बीच केवल हंगामा और नूरा कुश्ती देखने को मिली। प्रदेश कांग्रेस के कम्युनिकेशन विभाग के चेयरमैन एवं पूर्व विधायक अनिल भारद्वाज ने कहा कि कैग रिपोर्ट में भ्रष्टाचार के आरोपों पर चर्चा नहीं हुई। इससे साबित होता है कि भाजपा, आप सरकार के पाप छिपाना चाहती है। यमुना सफाई पर सरकार को घेरते हुए कहा कि भाजपा इवेंट करके जनता को गुमराह कर रही है। यमुना में न तो पर्याप्त जल प्रवाह है और न प्रदूषण कम हुआ है, ऐसे में क्रूज चलाने की बातें भ्रामक हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली में साइबर ठगी नए जमाने की डकैती बन चुकी है और कानून व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है।

विधानसभा अध्यक्ष ने दिया शीतकालीन सत्र का ब्योरा

विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने बताया कि आठवीं दिल्ली विधानसभा का चौथा (शीतकालीन) सत्र पांच से नौ जनवरी 2026 तक पांच बैठकों के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस दौरान लगभग 12 घंटे 39 मिनट की कार्यवाही हुई, जिसमें विधायी, वित्तीय और जनहित से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा और निर्णय लिए गए। सत्र के दौरान 351 प्रश्न प्राप्त हुए, जिनमें 60 तारांकित और 263 अतारांकित प्रश्न शामिल थे। 124 विशेष उल्लेख प्राप्त हुए, जिनमें से 33 को संबंधित विभागों को भेजकर 30 दिनों में जवाब देने के निर्देश दिए गए हैं। विजेंद्र गुप्ता ने बताया कि सत्र की शुरुआत उपराज्यपाल के अभिभाषण से हुई, जिसके बाद धन्यवाद प्रस्ताव पर सत्तापक्ष और विपक्ष के 13 सदस्यों ने चर्चा की। यह प्रस्ताव नौ जनवरी को सर्वसम्मति से पारित किया गया। अध्यक्ष ने बताया कि अगले सत्र से राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् का पूर्ण संस्करण बजाया जाएगा। इस संबंध में प्रस्ताव को सभी दलों के सदस्यों ने सर्वसम्मति से मंजूरी दी। सत्र के दौरान गुरु तेग बहादुर की 350वीं शहादत वर्षगांठ, वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ व पर्यावरण संरक्षण और प्रदूषण नियंत्रण जैसे विषयों पर व्यापक चर्चा हुई।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

नशा युवाओं को खोखला करके देश को निगलेगा

> भारत में युवाओं के बीच नशा बहुत तेजी से फै ल रहा है। ये नशा इतना खतरनाक हो गया है कि लोग अपने रिश्ते नाते भूल जा रहे है। हत्या व आत्म हत्या बढ़ रहे हैं। चडीगढ़ में हाल ही में नशे की लत के बुरी तरह शिकार बेटे की हत्या को लेकर उसके पूर्व डीजीपी पिता पर लगे आरोपों से जुड़े कई पहलू हैं।

हरियाणा में चिट्टा, पंजाब में ड्रग्स, यूपी में शराब ऐसे कई राज्यों में किसी न किसर प्रकार का नशा कोढ़ की तरह युवा पीढ़ी को बर्बाद कर रहा है। पर सत्ता के मद में सियासी दल इस गंभीर समस्या से मुंह मोड़े है। ये युवाओं को खोखला कर रहे हैं इससे भारत भी कमजोर पड़ रहा है। जब युवा कमजोर होगा तो भारत का भविष्य भी कमजोर होगा। भारत में युवाओं के बीच नशा बहुत तेजी ये फै ल रहा है। ये न शा इतना खतरनाक हो गया है कि लोग अपने रिश्ते नाते भूल जा रहे है। हत्या व आत्म हत्या बढ़ रहे हैं। चडीगढ़ में हाल ही में नशे की लत के बुरी तरह शिकार बेटे की हत्या को लेकर उसके पूर्व डीजीपी पिता पर लगे आरोपों से जुड़े कई पहलू हैं। इनमें आपराधिक पहलू को देखने, समझने और न्याय करने का काम हमारा कानून और न्यायिक प्रणाली करेंगे। लेकिन, इसका जो दूसरा पहलू है नशे का, उस पर पुलिस, प्रशासन और समाज सभी को समग्रता व पूर्ण संवेदना के साथ समझने और इस पर अंकुश के उपाय करने की जरूरत है। यह मामला देश के लाखों करोड़ों उदाहरणों में से एक है, जो यह समझने के लिए काफी है कि नशे के सौदागर किस तरह बालपन में ही व्यक्ति को अपनी गिरफ्त में लेकर उन्हें और उनके परिवार को बर्बाद करने का काम कर रहे हैं।

वे जानते हैं कि एक बार किसी को नशे की लत लग गई तो जिंदगी भर के लिए वह उनकी कमाई की मशीन बन जाएगा। इसलिए वे स्कूली स्तर से ही ताक में लग जाते हैं और मौका मिलते ही बच्चे को शिकार बना देते हैं। फिर एक बच्चे से दूसरा, दूसरे से तीसरा करके सिलसिला चल निकलता है। अमरीका में इसके सटीक आंकड़े उपलब्ध हैं और वे सतत रूप से अपडेट भी होते हैं कि बारह साल से सत्रह साल तक और अठारह से पच्चीस साल तक के कितने लोग किस तरह के नशे की लत के शिकार हैं। भारत की मुश्किल यह है कि यहां इस तरह की सतत प्रक्रिया नहीं है। इसलिए सही रूप में किसी के पास यह जानकारी ही नहीं है कि समस्या कितनी गहरी है। कभी कोई संगठन, संस्थान या राज्य अपने स्तर पर सर्वे करवा लेता है। इसमें वस्तुस्थिति का सही अहसास नहीं किया जा सकता। फिर भी समस्या की भयावहता के भान के लिए एम्स की एक रिपोर्ट को आधार माना जा सकता है। नशे के कारण विभिन्न बीमारियों से घिरने पर एम्स में इलाज के लिए आए लोगों की संख्या पर आधारित इस रिपोर्ट के अनुसार देश में 2.26 करोड़ ज्यादा लोग हेरोइन, अफीम जैसे नारकोटिक्स नशे के शिकार हैं। इनमें 60 लाख से ज्यादा लोगों को इलाज की जरूरत है। साढ़े आठ लाख से ज्यादा लोग एम्स में ऐसे आए जिन्हें इंजेक्शन से ड्रग लेने की लत है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

जर्मन पनडुब्बी डील पर चीनी निगाहें

पुष्परंजन

'प्रोजेक्ट 75-आई' के नाम से जाना जाने वाला यह समझौता अमल में आया तो भारत की रक्षा खरीद, अधिप्राप्ति (प्रोक्योरमेंट) में एक क्रान्तिकारी बदलाव लाएगा। पहली बार, इस डील में एक कॉम्प्रिहेंसिव डिजाइन और टेक्नोलॉजी ट्रांसफर (टीओटी) शामिल है, जिससे छह टाइप 214 पारंपरिक सबमरीन पूरी तरह से मुंबई में मजगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड यार्ड में बनाई जा सकेंगी। जर्मन डील नौसेना के अगली पीढ़ी के 'स्टील्थ' बेड़े पर केंद्रित है। लेकिन, पनडुब्बियों की डील केवल जर्मनी तक सीमित नहीं है। भारत, फ्रांस के साथ तीन अतिरिक्त स्कॉर्पियों क्लास (कलवरी) सबमरीन के लिए 4.3 अरब डॉलर की डील अलग से फाइनल कर रहा है। मौजूदा जर्मन सरकार इस डील को रूसी सैन्य उपकरणों पर भारतीय निर्भरता से दूर करने और बाजार में पैठ बनाने के लिए एक रणनीतिक प्राथमिकता के रूप में देखती है।

कुछ तकनीकी वजहों से लगभग फाइनल हो चुकी 'प्रोजेक्ट 75-आई' डील की घोषणा नहीं की जा रही है। फ्रीडरिष मैर्त्स की सत्तारूढ़ क्रिश्चियन डेमोक्रेटिक यूनियन (सीडीयू) एक मध्य-दक्षिणपंथी पार्टी है, जिसके साथ गठबंधन में क्रिश्चियन सोशल यूनियन (सीएसयू) और ओलाफ शॉल्त्स की मध्य-वामपंथी सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी (एसपीडी) शामिल है। इसे जर्मनी में 'काला-लाल गठबंधन' कहते हैं। इस गठबंधन का उद्देश्य आर्थिक विकास और रक्षा खर्च बढ़ाना है। हालांकि, सामाजिक कल्याण के सवाल पर इनमें मतभेद हैं। भले ही मैर्त्स सरकार भारत के साथ रणनीतिक साझेदारी का समर्थन करती हो, मगर जर्मनी में कुछ राजनीतिक दल, खासकर एसपीडी और ग्रीन्स, हथियारों के निर्यात पर सख्त पाबंदियों की वकालत करते रहे हैं, खासकर नाटो से बाहर के क्षेत्रों में। जर्मन चांसलर फ्रीडरिष मैर्त्स जब तक भारत में थे, चीन की पूरी निगाहें रक्षा समझौतों पर टिकी हुई थी। चीन की चिंता एशिया-प्रशांत और साउथ चाइना सी में भारत ककी बढ़ती नेवल पॉवर को लेकर है।

एडवांस्ड टाइप 214 सबमरीन डील को लेकर चीन की भृकुटि तनी हुई है। गत 31 जुलाई, 2025 को चीनी समाचारपत्र ग्लोबल टाइम्स की एक लीड खबर से उसकी चिंता समझी जा सकती है, जिसमें लिखा था, 'भारत अगले हफ्ते साउथ चाइना सी में युद्धपोत भेजने की योजना बना रहा है। ऐसा कदम फिलीपींस के लिए समर्थन का 'एक साफ संकेत' है।' टॉप नौसैनिक

शक्तियों में नंबर वन अमेरिका है। चीन दूसरे नंबर पर और तीसरे स्थान पर रूस है। उसके प्रकारांतर इंडोनेशिया, दक्षिण कोरिया, और जापान हैं। भारत सातवां नौसैनिक शक्ति है। एडवांस्ड सबमरीन बनाने के लिए जर्मनी के साथ एक ऐतिहासिक समझौते पर साइन होने से भारत के रक्षा क्षेत्र को जबरदस्त बूस्टर डोज मिलने वाला है। 'थाईसेनक्रुप मरीन सिस्टम्स', जर्मनी की सबसे बड़ी नौसैनिक जहाज निर्माता कंपनी है। थाईसेनकुप के साथ यह डील छह डीजल पनडुब्बियों के लिए है, जिन्हें एडवांस्ड कन्वेंशनल सबमरीन के नाम से जाना जाता है। तकनीकी जरूरतों में से एक यह है कि पनडुब्बियों में एयर-इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन (एआईपी) टेक्नोलॉजी से लैस है, ताकि ऐसी पनडुब्बियां स्टील्थ क्षमता बढ़ाने के लिए ज्यादा समय तक पानी के अंदर रह सकें। लेकिन सवाल है कि भारतीय नौसेना के लिए टाइप 214 सबमरीन क्यों चाहिए? भारत और रूस की नौसेना के बीच पनडुब्बी प्रौद्योगिकी का लंबा और सफल इतिहास रहा है, जिसमें किलो-क्लास और अकुला-क्लास पनडुब्बियों का बड़ा योगदान है। रूसी पनडुब्बियां अक्सर अन्य पश्चिमी देशों की तुलना में अधिक किफायती रही हैं, जिससे भारत अपने रक्षा बजट के भीतर अपनी क्षमता बढ़ा सका। रूस ने भारत को परमाणु पनडुब्बियों को लीज पर देकर भारत की परमाणु पनडुब्बी क्षमता को बढ़ाने में मदद की है। फिर भी, यह नाकाफ़ी है। यह पनडुब्बी जर्मनी के टाइप 214 डिज़ाइन पर आधारित है, जिसमें एयर-इंडिपेंडेंट प्रोपलशन (एआईपी) टेक्नोलॉजी शामिल है। एआईपी सिस्टम अपने पनडुब्बियों को ऑक्सीजन के लिए बार-बार सतह पर आए बिना, पारंपरिक डीजल-इलेक्ट्रिक सबमरीन की तुलना में बहुत लंबे समय तक पानी के अंदर काम करने की अनुमति देते हैं।

इसका मतलब है कि ऐसे सबमरीन दो हफ्ते, या उससे कहीं ज़्यादा समय तक पानी के अंदर रह सकती हैं, जिससे स्टील्थ क्षमता बहुत बढ़ जाती है, और शत्रु की सेनाओं द्वारा पकड़े जाने की संभावना कम हो जाती है। टाइप 214 सबमरीन एडवांस्ड मटीरियल का उपयोग करके बनाई गई हैं, जो सोनार डिटेक्शन से बचना आसान कर देते हैं। सोनार डिटेक्शन वह तकनीक है, जो पानी के नीचे वस्तुओं (जैसे पनडुब्बियां, मछली, समुद्री तल) का पता लगाने, नेविगेट करने, और उनका मानचित्रण करने के लिए ध्वनि तरंगों का उपयोग करती।

आधुनिक तकनीक से बदलेगी खेती की तस्वीर

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

भारत में ग्रामीण बाजार शहरी बाजार की तुलना में तेज गति से बढ़ रहे हैं। हाल ही में 7 जनवरी को वाहन डीलरों के संगठन फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस (फाडा) की रिपोर्ट के अनुसार पिछले वर्ष 2024 में यात्री वाहनों की बिक्री वृद्धि में ग्रामीण बाजार शहरी बाजार से आगे निकल गया। शहरी बाजारों में यात्री वाहनों की बिक्री 8 फीसदी बढ़ी, वहीं ग्रामीण इलाकों में इसमें 12 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। वर्ष 2025 में ग्रामीण बाजारों में कुल 44.7 लाख यात्री वाहन बिके, जबकि साल 2024 में कुल 41 लाख वाहनों की बिक्री हुई। उल्लेखनीय है कि भारत के ग्रामीण परिवेश से संबंधित अन्य कई रिपोर्टों में रेखांकित हो रहा है कि किसानों की आमदनी बढ़ने से गांवों में खपत बढ़ रही है और इससे ग्रामीण बाजार को रफ्तार मिल रही है।

ग्रामीण गरीबी में कमी, छोटे किसानों की साहूकारी कर्ज पर निर्भरता में कमी और किसानों का जीवन स्तर बढ़ने जैसी विभिन्न अनुकूलताओं से ग्रामीण बाजार मजबूती की राह पर आगे बढ़ रहा है। किसानों की आमदनी बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले संगठन नाबार्ड द्वारा 11 दिसंबर को जारी आठवें चरण के ग्रामीण आर्थिक स्थिति एवं भावना सर्वेक्षण (आरईसीएसएस) में बताया गया है कि देश में पिछले एक साल में ग्रामीण परिवारों की आमदनी बढ़ने से खर्च करने की क्षमता और इच्छा दोनों में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। सर्वे के अनुसार 80 फीसदी ग्रामीण परिवारों द्वारा पिछले एक साल में अपनी खपत में वृद्धि की सूचना दी गई है। नाबार्ड के सर्वे के अनुसार, अब तक ग्रामीण क्षेत्रों में खपत में तेजी उम्मीद बढ़ाने वाली है। निवेश और औपचारिक ऋण में भी रिकॉर्ड तेजी दर्ज की गई है जो बढ़ती आय के समानुपातिक मानी जा सकती है। 29.3 फीसदी ग्रामीण परिवारों ने पिछले एक साल में पूंजीगत निवेश (खेती और गैर-खेती दोनों क्षेत्रों में) बढ़ाया है।

बैंक, सहकारी संस्थाओं आदि से कर्ज लेने वाले परिवारों का हिस्सा 58.3 प्रतिशत हो गया, जो कि सितंबर 2024 में 48.7 प्रतिशत था। वस्तुत: ग्रामीण भारत के बाजार के तेजी से बढ़ने के पीछे बढ़ती क्रयशक्ति, वास्तविक आय वृद्धि, जीएसटी सुधार, कम महंगाई और सरकारी योजनाओं के ग्रामीण लोगों को मिलते लाभ भी हैं। विश्व बैंक की रिपोर्ट के मुताबिक ग्रामीण सुधार, बेहतर कृषि उत्पादन, ग्रामीण वेतन वृद्धि, ग्रामीण उपभोग में बढ़ोतरी तथा कर सुधार जैसे घटकों के दम पर भारत के ग्रामीण बाजार तेजी से आगे बढ़े हैं। इसी तरह दुनिया की प्रसिद्ध एस एंड पी ग्लोबल रेटिंग्स द्वारा प्रकाशित एशिया-पैसिफिक इकोनॉमिक आउटलुक रिपोर्ट 2025 के मुताबिक ग्रामीण भारत में महंगाई घटने और करों में कटौती से भारत की ग्रामीण खपत में सुधार हुआ है। इसी तरह आरबीआई द्वारा प्रकाशित ग्रामीण उपभोक्ता विश्वास सर्वेक्षण पर आधारित रिपोर्ट के मुताबिक पिछले एक साल में 76.7 फीसदी ग्रामीण परिवारों में उपभोग वृद्धि और 39.6 फीसदी परिवारों में आय में वृद्धि सामने आई है। यही नहीं, गरीबी पर जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि शहरी इलाकों की तुलना में ग्रामीण इलाकों में गरीबी कम हुई है।

वर्ष 2019 से शुरू की गई प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना देश के छोटे और सीमांत किसानों को वित्तीय मजबूती में सहायक बनी है। देश के गांवों में अप्रैल, 2020 से शुरू की गई पीएम स्वामित्व योजना के तहत ग्रामीणों को उनकी जमीन का कानूनी हक देकर उनके आर्थिक सशक्तीकरण का नया अध्याय लिखा जा रहा है। गांवों में किसानों को औपचारिक ऋण से जोड़ने के मद्देनजर सरकार द्वारा राष्ट्रीयकृत बैंकों की शाखाओं में वृद्धि महत्वपूर्ण है। गांवों में बैंक शाखाओं की संख्या मार्च, 2010 के 33,378 से बढ़कर दिसंबर 2024 तक 56,579 हो गई। साथ ही किसान क्रेडिट कार्ड, कृषि इंफ्रास्ट्रक्चर फंड, सहकारी समितियों और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वयं सहायता समूह, ग्रामीण बैंकिंग व्यवस्था आदि प्रभावी भूमिका निभा रहे हैं। सरकार ने बीते दशक में फसलों पर दी जाने वाली सब्सिडी और फसल बीमा की राशि को तेजी से बढ़ाया है। भारतीय किसान तेजी से डिजिटल पेमेंट को अपना रहे हैं। वर्ष 2024-25 में भारत में रिकॉर्ड 37.7 करोड़ टन खाद्यान्न उत्पादन हुआ है तथा देश का कुल कृषि निर्यात 50 अरब डॉलर के पार पहुंच गया है।

इन सबके बावजूद देश के छोटे और सीमान्त किसान वर्तमान में भी आधुनिक खेती की तकनीक अपनाने में असमर्थ महसूस कर रहे हैं। छोटे किसान ऑनलाइन खरीदारी में दुनिया में बहुत पीछे हैं। ग्रामीण जनजीवन के करीब 22 फीसदी लोगों की कर्ज के लिए साहूकारों और अनौपचारिक स्रोतों पर निर्भरता बनी हुई है। यह वर्ग अभी भी ऊंची ब्याज दर पर कर्ज ले रहा है। ऐसे में गांवों में बैंक शाखा विस्तार के अलावा दूसरे अन्य कदम उठाने की जरूरत है। ग्रामीण ऋण लागत कम करने और विश्वास बढ़ाने के लिए तकनीक का लाभ उठाया जाना होगा। औपचारिक ऋणों के लिए बेहतर प्रोत्साहन और डिजिटल उपकरणों से लैस बैंक प्रतिनिधियों को ग्रामीण परिवारों और संस्थानों के बीच समन्वय का माध्यम बनाया जाना चाहिए। गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) की भूमिका को प्रभावी बनाना होगा। गांवों में प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना का तेजी से विस्तार करना होगा, इससे छोटे किसानों की संस्थागत ऋण तक पहुंच बढ़ाई जा सकेगी।

सर्दियों में जरूर बनाएं ये 5 देसी साग

सरसों का साग

सर्दियों में भारत के किचन में व्यंजनों के विकल्प बढ़ जाते हैं। इस ताजी सब्जियों, हरी पत्तियां और देसी साग का मौसम होता है। बाजारों में हरे पत्तेदार सब्जियों की भरमार होती है जो स्वाद और सेहत दोनों के लिहाज से बेस्ट होते हैं। सर्दी में इनका सेवन शरीर को कई तरह के लाभ पहुंचाता है। हालांकि सामान्य तौर पर लोग सिर्फ सरसों का साग ही बनाते हैं। लेकिन दादी-नानी की रसोई में कई तरह के साग बनते थे। आप भी उनकी विधि अपनाकर पारंपरिक साग की कई डिश तैयार कर सकते हैं। पूरी सर्दियां बदल बदल कर तरह तरह के लजीज साग का स्वाद अपना सकते हैं। सर्दियों में पांच ऐसे साग बताए हैं जो हर घर में जरूर बनना चाहिए, क्योंकि ये न सिर्फ स्वादिष्ट होते हैं बल्कि शरीर को गर्मी और ताकत भी देते हैं।

सरसों का साग सर्दियों का राजा होता है। मक्के की रोटी या मिस्सी रोटी के साथ सरसों के साग का स्वाद दोगुना हो जाता है।

सामग्री

सरसों के पत्ते- 500 ग्राम, पालक- 250 ग्राम, बथुआ- 250 ग्राम, अदरक- 1 इंच, हरी मिर्च- 2, नमक स्वादानुसार, हींग व लहसुन का तड़का इच्छानुसार, मक्का का आटा - 1 चम्मच, देसी घी- 2 चम्मच।

विधि

सरसों का साग बनाने के लिए पत्तों को अच्छी तरह धोकर कटा लें। अब कुकर में थोड़ा पानी, अदरक और मिर्च के साथ डालकर उबालें। नरम होने पर मिक्सर में दरदरा पीस लें। गैस पर कढ़ाही चढ़ाकर घी डालकर गर्म करें। अब पीसे हुए साग को डालकर 20-25 मिनट पकाएं। एक चम्मच मक्के का आटा मिलाकर साग को गाढ़ा करें। ऊपर से हींग-लहसुन का तड़का डालें।

मेथी का साग

सोया मेथी की सब्जी इस मौसम में कई बार बनती है लेकि आप मेथी का साग बनाकर स्वाद में कुछ बदलाव ला सकते हैं।

सामग्री

मेथी के पत्ते- 2 गुच्छे, आलू- 1 छोटे टुकड़ों में कटा हुआ, लहसुन- 4 से 5 कलियां, जीरा- आधा चम्मच, लाल मिर्च- एक चम्मच, सरसों का तेल- एक चम्मच, नमक स्वादानुसार।

विधि

कढ़ाही में तेल गरम करें। अब इसमें जीरा और लहसुन डालकर सुनहरा होने तक भूने, फिर कटे हुए आलू के टुकड़े डालकर हल्का पका लें। जब आलू कुछ पक जाए तो मेथी के पत्तों को डालकर मिलाएं। इन्हें धीमी आंच पर ढककर पकने दें। जब आलू और मेथी नरम होने लगें तो मसाले डालकर 10 मिनट और पकाएं। फिर गैस बंद कर दें। आपकी मेथी का साग तैयार है। इसे गर्मागर्म पराठें के साथ सर्व करें।

पालक का साग

सामग्री

पालक- 500 ग्राम, टमाटर- 2, प्याज़- 1, लहसुन- 6 कली, हरी मिर्च- 2, नमक, हल्दी, घी- 1 चम्मच।

विधि

पालक के पत्तों को अच्छी तरह से धोकर उबालकर पीस लें। तब तक प्याज, लहसुन और टमाटर का मसाला तैयार करें। इसके लिए कढ़ाई में घी डालकर प्याज, लहसुन और हरी मिर्च को भूनें। फिर नमक और हल्दी डालकर टमाटर मिलाएं औरर गलने तक पकाएं। अब ऊपर से पालक डालकर 10-12 मिनट पकाएं। ऊपर से घी की कुछ बूंदें मिलाएं, स्वाद दोगुना हो जाएगा।

चने का साग

सामग्री

चने के हरे पत्ते या चना साग 700-800 ग्राम, प्याज- 1, लहसुन- 5 कली, बेसन- 1 चम्मच, सरसों का तेल -1 चम्मच, नमक और लाल मिर्च।

विधि

ये पारंपरिक साग बनाने के लिए चने के हरे पत्ते धोकर काट लें। अब कड़ाही में तेल गर्म करके उसमें बारिक कटा प्याज और लहसुन सुनहरा होने तक भूनें। अब इसमें चना साग डालकर मिलाएं। स्वादानुसार नमक और लाल मिर्च पाउडर डालें। थोड़ा पानी और बेसन डालकर मध्यम आंच पर ढककर पकाएं।

बथुए का साग

विधि

बथुए को उबालकर पीस लें। कढ़ाही में देसी घी गर्म करें, जीरा, लहसुन और हरी मिर्च भूनें। फिर टमाटर मिलाकर गलने तक पकाएं। मसाले में बथुआ मिलाएं और नमक डालकर 10 मिनट पकाएं। बथुआ का साग तैयार है। गर्मागर्म रोटियों या पूड़ी के साथ सर्व करें।

सामग्री

बथुआ- 2 गुच्छे, टमाटर- 1, लहसुन- 4 कली, हरी मिर्च - 1, जीरा- 1/2 चम्मच, नमक स्वादानुसार, देसी घी- 1 चम्मच।

हंसना मना है

मैडम के पास फोन आया- आपका अकाउंट हैक हो गया है, मैडम- फेसबुक अकाउंट? बैंक वाला- नहीं मैडम, बैंक अकाउंट! मैडम: थैंक गॉड! आपने तो मुझे डरा ही दिया था?

काका-कमर में बहुत दर्द है, जरा गुप्ता जी के घर से आयोडेक्स ले आओ। काकी-वो नहीं देंगे वो बहुत कंजूस है। काका- हां, है तो खानदानी कंजूस साले, पता नहीं इतना पैसा लेकर कहा जाएंगे..मर जाएंगे यू ही, ऐसा करो तुम अलमारी से अपनी ही निकाल लो, दर्द कुछ ज्यादा ही है?

रमेश पैराशूट बेच रहा था.. हवाई जहाज से कूदो, बटन दबाओ और जमीन पर सुरक्षित पहुंच जाओ.. ग्राहक-अगर पैराशूट नहीं खुला तो..रमेश: तो पैसे वापिस..

लड़का- पता है, बस में बैठते हुए मैं किसी लड़की को खड़ा नहीं देख सकता.. लड़की- तो फिर तुम क्या करते हो.. लड़का- मैं अपनी आंखें बंद कर लेता हूं..!

कहानी — सियार और जादुई ढोल

एक जंगल के पास दो राजाओं के बीच युद्ध हुआ। उस युद्ध में एक की जीत और दूसरे की हार हुई। युद्ध खत्म होने के एक दिन बाद तेज आंधी चली, जिस कारण युद्ध के दौरान बजाया जाने वाला ढोल लुढ़क कर जंगल में चला जाता है और एक पेड़ के पास जाकर अटक जाता है। जब भी तेज हवा चलती और पेड़ की टहनी ढोल पर पड़ती, तो ढमाढम-ढमाढम की आवाज आने लगती थी। उसी जंगल में एक सियार खाने की तलाश में इधर-उधर भटक रहा था और अचानक उसकी नजर गाजर खा रहे खरगोश पर पड़ती है। सियार उसे शिकार बनाने के लिए सावधानी से आगे बढ़ता है। जब वह खरगोश पर झपटा मारता है, तो खरगोश उसके मुंह में गाजर को फंसाकर भाग जाता है। किसी तरह से सियार गाजर को मुंह से बाहर निकालकर आगे बढ़ता है, तो उसे ढोल की तेज आवाज सुनाई देती है। वह ढोल की आवाज सुनकर घबरा जाता है और सोचने लगता है कि उसने पहले कभी किसी जानवर की ऐसी आवाज नहीं सुनी। जहां से ढोल की आवाज आ रही थी, सियार उस ओर जाता है और यह जानने की कोशिश करता है कि जानवर उड़ने वाला है या चलने वाला। फिर वह ढोल के पास जाता है और उस पर हमला करने के लिए कूदता है, तो ढम की आवाज आती है, जिसे सुनकर सियार छलांग लगा कर उतर जाता है और पेड़ के पीछे छुपकर देखने लगता है। कुछ मिनट बाद किसी तरह की प्रतिक्रिया न होने पर वह फिर से ढोल पर हमला करता है और फिर से ढम की आवाज आती है और वह फिर से ढोल से कूदकर भागने लगता है, लेकिन इस बार वह वहीं पर रुककर मुड़कर देखता है। ढोल में किसी भी तरह की हलचल न होने पर वह समझ जाता है कि यह कोई जानवर नहीं है। फिर वह ढोल पर कूद-कूद कर ढोल को बजाने लगता है। इससे ढोल हिलने लगता है और लुढ़कने भी लगता है, जिससे सियार ढोल से गिर जाता है और ढोल बीच में से फट जाता है। ढोल के फटने पर उसमें से विभिन्न तरह के स्वादिष्ट भोजन निकलते हैं, जिसे खाकर सियार अपनी भूख को शांत करता है।

7 अंतर खोजें

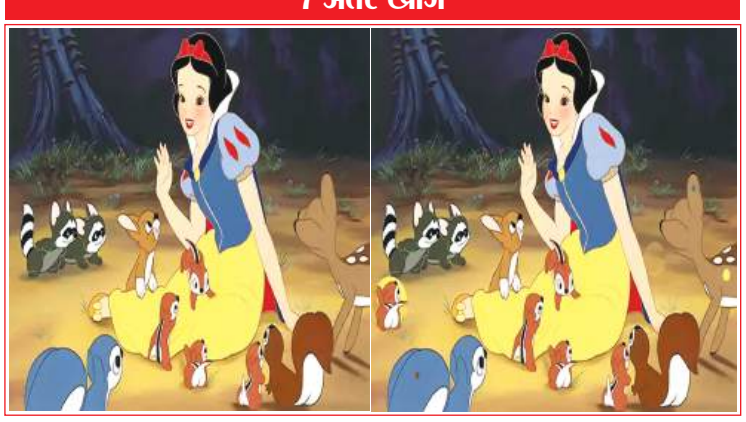

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज रुका धन मिलेगा। मन की चंचलता पर नियंत्रण रखें। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति अनुकूल रहेगी। जीवनसाथी पर आपसी मेहरबानी रहेगी। कार्य बनेंगे।

वृषभ

स्थायी संपत्ति की खरीद-फरोख्त से बड़ा लाभ हो सकता है। प्रतिद्वंद्विता रहेगी। पार्टनरों का सहयोग समय पर मिलने से प्रसन्नता रहेगी। आय में वृद्धि होगी।

मिथुन

पार्टी व पिकनिक की योजना बनेगी। मित्रों के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे।

कर्क

घर-बाहर अशांति रहेगी। कार्य में रुकावट होगी। आय में कमी तथा नौकरी में कार्यभार रहेगा। बेवजह लोगों से कहासुनी हो सकती है। जल्दबाज न करें।

सिंह

प्रयास सफल रहेंगे। किसी बड़े कार्य की समस्याएं दूर होंगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। कर्ज में कमी होगी। संतुष्टि रहेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कन्या

दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। व्यवसाय में जल्दबाजी से काम न करें। चोट व दुर्घटना से बचें।

तुला

उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। भाग्य का साथ मिलेगा। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ के योग हैं। व्यवसाय ठीक चलेगा।

वृश्चिक

अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। व्यवस्था नहीं होने से परेशानी रहेगी। व्यवसाय में कमी होगी। नौकरी में नोकझोंक हो सकती है। पार्टनरों से मतभेद हो सकते हैं।

धनु

अज्ञात भय व चिंता रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा हो सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। बगैर मांगे किसी को सलाह न दें। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे।

मकर

नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामजिक कार्य करने की इच्छा जागृत होगी। प्रतिष्ठा वृद्धि होगी। सुख के साधन जुटेंगे। नौकरी में वर्चस्व स्थापित होगा।

कुम्भ

रुका धन मिलेगा। पूजा-पाठ व सत्संग में मन लगेगा। आत्मशांति रहेगी। कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। प्रसन्नता का वातावरण रहेगा।

मीन

क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। विवाद को बढ़ावा न दें। पुराना रोग बाधा का कारण रहेगा। स्वास्थ्य पर खर्च होगा। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें।

धुरंधर 2 में होगी अक्षय खन्ना की एंट्री, और खूंखार होगा रहमान डकैत

आदित्य धर की फिल्म धुरंधर रिलीज के 1 महीने बाद भी बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है। फिल्म में रणवीर सिंह लीड रोल में हैं। वहीं अक्षय खन्ना अहम रोल में थे। उनके किरदार का नाम रहमान डकैत था। फिल्म में अक्षय खन्ना ने रहमान के रोल में जान डाल दी थी। उनकी एक्टिंग, डांस सबकुछ वायरल हो गया था। हर कोई उनकी एक्टिंग की तारीफ करते नहीं थक रहा था। साथ ही अक्षय के डांस को लेकर भी खूब रील्स वीडियोज बने थे।

फिल्मफेयर ने धुरंधर 2 में अक्षय खन्ना की एंट्री को लेकर अपडेट दिया है। उन्होंने सोर्स के हवाले से लिखा- हां, अक्षय खन्ना धुरंधर 2 में दिखेंगे। वो एक हफ्ते के शूट के लिए सेट पर वापस आएंगे। फिल्म में अक्षय खन्ना की बैक स्टोरी दिखाई जाएगी और उनके रोल में कई लेयर और एड की जाएंगी।

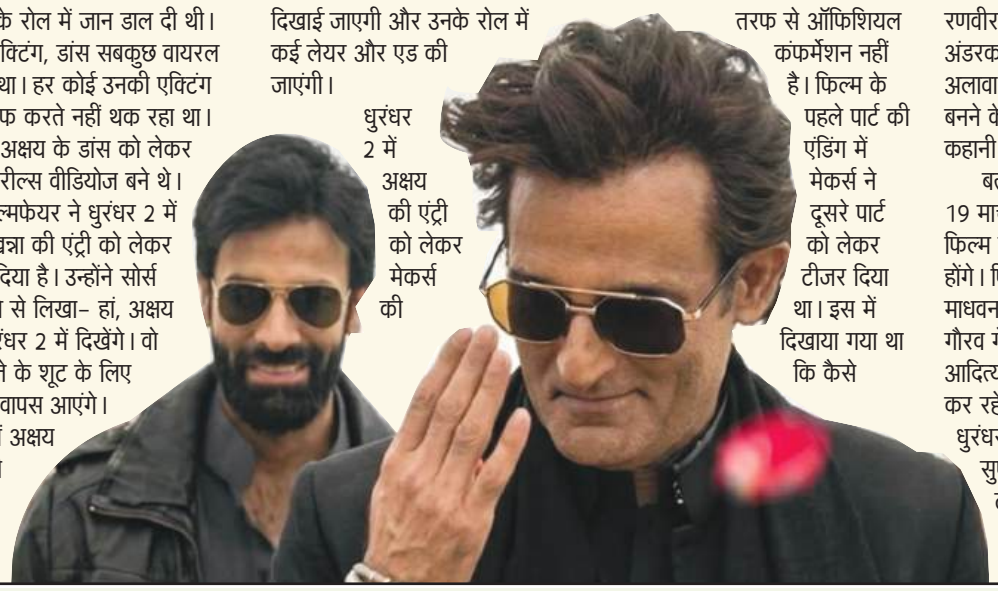

धुरंधर 2 में अक्षय की एंट्री को लेकर मेकर्स की तरफ से ऑफिशियल कंफर्मेशन नहीं है। फिल्म के पहले पार्ट की एंडिंग में मेकर्स ने दूसरे पार्ट को लेकर टीजर दिया था। इस में दिखाया गया था कि कैसे रणवीर सिंह जसकीरत सिंह रंगी से अंडरकवर एजेंट हमजा बने। इसके अलावा फिल्म में हमजा के गैंगस्टर बनने के बाद ल्यारी पर राज करने की कहानी दिखाई जाएगी।

बता दें कि धुरंधर का दूसरा पार्ट 19 मार्च 2026 को रिलीज होगा। इस फिल्म में रणवीर सिंह लीड रोल में होंगे। फिल्म में संजय दत्त, आर माधवन, अर्जुन रामपाल, सारा अर्जुन, गौरव गेरा जैसे स्टार्स नजर आएंगे। आदित्य धर ही फिल्म को डायरेक्ट कर रहे हैं। स्क्रीनप्ले भी उन्हीं का है। धुरंधर का बॉक्स ऑफिस पर साउथ सुपरस्टार यश की फिल्म टॉक्सिक के साथ क्लैश होने वाला है।

आइटम नंबर करते हुए खुद को पावरफुल महसूस करती हैं मलाइका

मलाइका अरोड़ा हमेशा सुर्खियों में बनी रहती हैं। वो अपने डांस की वजह से छाई रहती हैं। साथ ही वो कई रियलिटी शो होस्ट भी करती हैं। हाल ही में मलाइका ने अपने डांस नंबर से सभी को इंप्रेस कर दिया था। उनका फिल्म थामा में आइटम नंबर आया था जिसमें उन्होंने रश्मिका मंदाना के साथ ठुमके लगाए थे। 52 की उम्र में आइटम सॉन्ग करने पर उन्हें ट्रोल किया गया था। अब मलाइका ने ट्रोल्स को जवाब दिया है।

मलाइका ने अब एक शो में इस बारे में बात की है। उन्होंने द नम्रता जकारिया शो में बात करते हुए कहा कि अपनी ज़िंदगी के इस पड़ाव पर आइटम नंबर करते हुए खुद को पावरफुल महसूस करती हैं।

मलाइका ने कहा कि उन्हें अपनी

इस इमेज को अपनाने में कोई दिक्कत नहीं दिखती और उन्होंने कहा-क्यों नहीं? मुझे इसे कम करने या इसके लिए माफी मांगने की क्या जरूरत है? मेरा मतलब है, आपको चीजों के लिए ट्रोल किया जाता है और बहुत से लोग अलग-अलग बातें कहते हैं - लेकिन मुझे समझ नहीं आता कि इसमें इतनी बड़ी बात क्या है। डांस एक एक्सप्रेशन है, जिसका असली रूप में और पूरी शान से आनंद लिया जाता है। मैं सच में खुद को खुशनसीब मानती हूं कि मैं 50 साल की उम्र में यह सब कर पा रही हूं। मैंने जरूर कुछ सही किया होगा। मलाइका ने आगे कहा- यह बहुत, बहुत एम्पावरिंग है। इससे मुझे बहुत अच्छा महसूस होता है। जैसा कि मैंने पहले भी कहा है, अगर बाहर की महिलाएं इसे एक उदाहरण के तौर पर लेती हैं या इसे कुछ ऐसा मानती हैं जो उन्हें एम्पावर करता है। कुछ ऐसा जिससे उन्हें अच्छा महसूस होता है तो यह एक बहुत अच्छा काम होगा।

बॉलीवुड | मन की बात

त्योहार को सिर्फ कैमरे में कैद न करें, उसे महसूस करें : प्रतीक गांधी

प्रतीक गांधी ने कहा कि मकर संक्रान्ति मेरे लिए सिर्फ एक त्योहार नहीं है। इसमें मेरा पूरा बचपन समाया है। इस दिन सुबह ठंडी हवा के साथ हमारी नींद खुलती थी। धूप पूरी तरह निकली भी नहीं होती थी और छत पर हमारी हलचल शुरू हो जाती थी। कोई पतंग खोल रहा है, कोई मांजा सुलझा रहा है, कोई नीचे से आवाज लगा रहा है। धीरे-धीरे पूरा परिवार छत पर इकट्ठा हो जाता था। पड़ोसियों की हंसी, रेडियो से आती पुरानी धुनें और ऊपर रंगीन पतंगों से भरा आसमान। पतंग काटने की हल्की सी प्रतिस्पर्धा होती थी, लेकिन उससे कहीं ज्यादा अहम था साथ होना। खाना, बातें, छोटी छोटी नोक झोंक और फिर बिना थके पूरा दिन छत पर बिताना। खुले आसमान के नीचे अपनों के साथ बिताए वो साधारण से पल आज भी मन में वैसे ही बसे हुए हैं। शायद इसलिए, क्योंकि उनमें कोई दिखावा नहीं..बस अपनापन था। आज भी उंधियू और चिक्की के बिना मेरे लिए संक्रांति अधूरी है। इनका स्वाद सिर्फ खाने तक सीमित नहीं है, इसमें बचपन जुड़ा है, घर जुड़ा है। चाहे शूटिंग चल रही हो या दिन बहुत व्यस्त हो, मैं कोशिश करता हूं कि थोड़ा सा समय इन त्योहारों के लिए निकाल सकूं। पतंग उड़ाना मुझे संतुलन बनाए रखने की सीख देता है। डोर बहुत जोर से पकड़ो तो टूट जाती है और पूरी तरह छोड़ दो तो पतंग दिशा खो देती है। जिंदगी भी कुछ ऐसी ही है। मेहनत करनी होती है, धैर्य रखना होता है और सही समय पर खुद को छोड़ना भी आना चाहिए। हवा को समझना, हालात के हिसाब से खुद को ढालना और प्रक्रिया पर भरोसा रखना। मुझे नहीं लगता कि परंपरा और तकनीक एक दूसरे के खिलाफ हैं। जरूरी यह है कि त्योहारों को सिर्फ कैमरे में कैद न किया जाए, बल्कि उन्हें महसूस किया जाए। पतंग उड़ाना, परिवार के साथ खाना बनाना, बड़ों की बातें सुनना। जब त्योहार स्क्रीन से बाहर निकलकर अनुभव बनते हैं तो उनसे जुड़ाव अपने आप गहरा हो जाता है।

क्या आपको मालूम है कौन सी थी भारत की पहली ट्रेन, किस रूट पर हुई थी शुरू

भारतीय रेलवे की नींव अंग्रेजी हुकूमत के दौर में पड़ी थी और तभी से देश में रेल नेटवर्क शुरू हो गया। भारत की पहली ट्रेन 16 अप्रैल 1853 को मुंबई के बोरीबंदर से ठाणे के बीच चलाई गई थी। इस ऐतिहासिक गाड़ी में 14 डिब्बे थे, जिन्हें ब्रिटेन से लाए गए तीन भाप इंजन। साहिब, सुल्तान और सिंध खींच रहे थे। इस पहली यात्री ट्रेन में करीब 400 लोगों ने सफर किया था और इसने मात्र 34 किलोमीटर की दूरी एक घंटा 15 मिनट में तय की थी। इस यादगार यात्रा की शुरुआत स्टेशन पर मौजूद भीड़ की तालियों और 21 तोपों की सलामी के साथ हुई थी। भारत में रेलवे शुरू करने का विचार सबसे पहले 1843 में बॉम्बे सरकार के मुख्य अभियंता जॉर्ज क्लार्क को भांडुप की यात्रा के दौरान आया था। उस समय बॉम्बे को ठाणे, कल्याण, थाल और भोर घाट से जोड़ने की योजना पर काम किया जा रहा था। भारत में शुरू की गई पहली यात्री ट्रेन को डेक्कन क्वीन कहा जाता है, जिसमें कुल 14 कोच लगाए गए थे। यह ऐतिहासिक रेल बोरीबंदर स्टेशन से दोपहर 3:30 बजे रवाना हुई थी, जिसे आज छत्रपति शिवाजी टर्मिनस के नाम से जाना जाता है, और शाम 4:45 बजे अपने गंतव्य पर पहुंची थी। मगर अब इस तरह की ट्रेन दिखना बंद हो गई है। इस ट्रेन को चलाने के लिए ब्रिटेन से मंगाए गए तीन विशेष भाप इंजनों, साहिब, सुल्तान और सिंध का इस्तेमाल किया गया था। उस दौर में भारत में रेलवे की शुरुआत को एक बड़ी तकनीकी और औद्योगिक उपलब्धि माना गया था। रेल सेवाओं के साथ ही देश में वर्कशॉप की आवश्यकता महसूस होने लगी। ऐसे में 1862 में बिहार के जमालपुर, मुंगेर के पास भारत की पहली रेलवे वर्कशॉप की स्थापना की गई। समय के साथ यह एक बड़े औद्योगिक केंद्र में तब्दील हो गई, जहां लोहा और स्टील फाउंड्री, रोलिंग मिल जैसी कई सुविधाएं विकसित की गईं। इसके बाद 1864 में उत्तर भारत को दिल्ली जंक्शन के रूप में पहला बड़ा स्टेशन मिला, जिसे चांदनी चौक के नजदीक स्थापित किया गया था और जहां से हावड़ा से दिल्ली के बीच ट्रेनों का संचालन शुरू हुआ।

अजब-गजब | यहां देखने को मिलती है लोक विश्वास की अनोखी कहानी

भारत के इस गांव में है कुत्तों का मंदिर, भगवान की तरह होती है इनकी पूजा, हर साल यहां लगता है मेला

कर्नाटक का रामनगर जिला आमतौर पर चन्नापटना की रंग-बिरंगी लकड़ी के खिलौनों के लिए जाना जाता है। लेकिन इसी जिले का एक छोटा सा गांव अग्रहार वलगेरहल्ली अपनी एक अनोखी मान्यता और मंदिर की वजह से चर्चा में रहता है। यहां लोग किसी देवी-देवता के नहीं, बल्कि दो कुत्तों के नाम बने मंदिर में पूजा करते हैं। स्थानीय ग्रामीणों और बुजुर्गों के अनुसार, यह कहानी कई सौ साल पुरानी मानी जाती है। कहा जाता है कि गांव में रहने वाले दो कुत्तों की अचानक मौत हो गई थी। गांव वालों ने उन्हें पूरे सम्मान के साथ दफनाया और उनकी समाधि पर पत्थर रखे। इसके बाद धीरे-धीरे गांव में हालात बदलने लगे। फसलें अच्छी होने लगीं, लोगों की आर्थिक स्थिति सुधरी और गांव में सुख-शांति बढ़ी। ग्रामीणों को विश्वास होने लगा कि ये दोनों कुत्ते अब गांव की रक्षा कर रहे हैं।

समय के साथ यह विश्वास और गहरा होता चला गया। लोग उस जगह पर जाकर श्रद्धा से सिर झुकाने लगे। स्थानीय लोककथाओं और ग्रामीणों के बयानों के अनुसार, साल 2010 में इस आस्था को एक नया रूप मिला। बताया जाता है कि गांव के एक व्यक्ति को सपने में गांव की

आराध्य देवी केंपम्मा ने दर्शन दिए और कुत्तों के लिए एक मंदिर बनाने को कहा। इसके बाद गांव वालों ने मिलकर वहां एक छोटा सा मंदिर बनवाया, जिसमें पत्थर से बनी दो कुत्तों की मूर्तियां स्थापित की गईं। आज यह मंदिर सिर्फ गांव तक सीमित नहीं है। आसपास के इलाकों से भी लोग यहां दर्शन के लिए आने लगे हैं। ग्रामीण मानते हैं कि यह मंदिर उन्हें बीमारियों, प्राकृतिक आपदाओं और बुरी नजर से बचाता है। मंदिर में रोजाना अगरबत्ती जलाई जाती है और विशेष मौकों पर पूजा-अर्चना होती है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, हर साल यहां एक वार्षिक मेला भी लगता है, जिसमें अच्छी-खासी भीड़ जुटती है। मेले के दौरान पूजा, प्रसाद वितरण और लोक परंपराओं से जुड़े कार्यक्रम होते हैं। यह आयोजन गांव की सामाजिक एकता को भी मजबूत करता है।

जम्मू-कश्मीर में धार्मिक संस्थानों की जानकारी जुटाने पर बवाल

सुरक्षा एजेंसियां ले रहीं हैं मस्जिदों, मदरसों की जानकारी

» धार्मिक स्वतंत्रता और निजता के अधिकार पर हमला : आगा रुहुल्लाह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा एजेंसियों ने मस्जिदों, मदरसों और उनसे जुड़े धार्मिक संस्थानों की विस्तृत जानकारी जुटाने की प्रक्रिया तेज कर दी है। प्रशासन का कहना है कि इसका उद्देश्य कट्टरपंथी नेटवर्क पर लगाम कसना है, जबकि राजनीतिक दलों और धार्मिक संगठनों ने इसे संविधान प्रदत्त धार्मिक स्वतंत्रता और निजता के अधिकार पर हमला बताया है। बता दें इमामों, शिक्षकों और प्रबंधन समिति के सदस्यों से यह भी पूछा गया है कि क्या वे पहले कभी आतंकी या राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों में शामिल रहे हैं, साथ ही उनसे किसी लंबित मामले या अदालत से हुई सजा का विवरण भी देने को कहा गया है।

दूसरी ओर, इस कार्रवाई को लेकर राजनीतिक विरोध तेज हो गया है। नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता और श्रीनगर से सांसद आगा रुहुल्लाह मेहदी ने कहा कि पहले से ही सीआईडी, आईबी और अन्य एजेंसियों की निगरानी मौजूद है, ऐसे में धार्मिक संस्थानों पर अतिरिक्त जानकारी संग्रह धर्म की स्वतंत्रता का उल्लंघन है। आगा रुहुल्लाह मेहदी ने आरोप लगाया कि यह कदम भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा मस्जिदों पर नियंत्रण की कोशिश जैसा प्रतीत होता है। मेहदी ने कहा, उनके पास आधार कार्ड और अन्य दस्तावेजों के रूप में पहले से ही जानकारी मौजूद है। यह जानकारी इकट्ठा करना धर्म का प्रचार-प्रसार करने वाले एक विशेष धर्म के लोगों के एक विशिष्ट वर्ग को डराने-धमकाने का प्रयास है। सांसद ने कहा,ऐसा लगता है कि इमामों को भाजपा द्वारा अनुमोदित या शायद आरएसएस द्वारा भेजे गए उपदेश देने के लिए कहा जाएगा।

भाजपा व संघ मस्जिदों पर नियंत्रण चाहते हैं

इस प्रक्रिया को तुरंत वापस लें : उमर फारूक

इसी तरह, मीरवाइज उमर फारूक के नेतृत्व वाली मुताहिदा मजलिस-ए-उलेमा (एमएमयू) ने इस कवायद पर गहरी चिंता जताते हुए इसे निजता, गरिमा और मौलिक अधिकारों का पूर्ण उल्लंघन बताया है। संगठन ने उपराज्यपाल प्रशासन से इस प्रक्रिया को तुरंत वापस लेने और धार्मिक संस्थानों की स्वायत्तता का सम्मान करने की मांग की है।

जम्मू और कश्मीर संभागों को अलग करें : लोन

विश्वविद्यालय (नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी) को जम्मू स्थानांतरित करने की मांग की है। पीपुल्स कांफ्रेंस के अध्यक्ष सज्जाद लोन ने जम्मू और कश्मीर संभागों के बीच मौजूदा प्रशासनिक व्यवस्था पर पुनर्विचार की खुली मांग कर एक नई बहस छेड़ दी है। हम आपको बता दें कि सज्जाद लोन घाटी से पहले प्रमुख नेता हैं जिन्होंने दोनों क्षेत्रों के बीच अमिकल डिवोर्स यानी सौहार्दपूर्ण अलगाव की बात कही है। एक आधिकारिक बयान में सज्जाद लोन ने कहा है कि विकास से जुड़े विवादों के साथ-साथ राजनीतिक और प्रशासनिक मुद्दों ने हालात को इस मोड़ पर ला खड़ा किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि जम्मू को कश्मीर को पीटने वाली लाठी की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है। लोन ने कहा है कि कश्मीर के लोग अब और बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं और अलगाव की भावना पहले से कहीं ज्यादा मजबूत हो गई है।

सेना दिवस पर कांग्रेस ने सैनिकों को सराहा

» भारतीय सेना राष्ट्र की रक्षा के लिए अडिग ढाल के रूप में खड़ी है : खरगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सेना दिवस के अवसर पर बृहस्पतिवार को कहा कि भारतीय सेना देश की ऐसी अडिग ढाल के रूप में खड़ी है जो सीमाओं की रक्षा करती है, आंतरिक सुरक्षा चुनौतियों के दौरान स्थिरता को मजबूत करती है और प्राकृतिक आपदाओं के समय दृढ़ सहयोग देती है। कांग्रेस ने भी 'एक्स' पर 'पोस्ट' साझा करते हुए कहा कि वह सैनिकों को उनके साहस, अनुशासन और कर्तव्य निभाते हुए दिए जाने वाले सर्वोच्च बलिदान के लिए सलाम करती है।

उसने कहा, भारतीय सेना हमारे राष्ट्र की सबसे मजबूत ढाल के रूप में खड़ी है। भारत के प्रति उनकी अटल सेवा और प्रतिबद्धता के लिए हम उनके अत्यंत आभारी हैं। जय हिंद। खरगे ने कहा, भारतीय सेना दिवस पर हम अपने बहादुर सैनिकों, पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों को सम्मान और कृतज्ञता के साथ नमन करते हैं।'' उन्होंने कहा, भारतीय सेना देश की अडिग ढाल के रूप में खड़ी है जो सबसे दुर्गम भौगोलिक क्षेत्रों में हमारी सीमाओं की रक्षा करती है, आंतरिक सुरक्षा चुनौतियों के दौरान स्थिरता को मजबूत करती है और प्राकृतिक आपदाओं के समय अटूट सहयोग देती है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, आपके अदम्य साहस, अनुकरणीय पेशेवर दक्षता और उस निस्वार्थ बलिदान की भावना के लिए हम सदैव ऋणी रहेंगे जो भारत को सुरक्षित रखती है।' कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भी सेना के अदम्य साहस, वीरता और सर्वोच्च बलिदान की सराहना की।

न्यूजीलैंड को 2023 के बाद भारत के खिलाफ मिली जीत

» भारतीय टीम को 8 मैच बाद दूसरे वनडे में सात विकेट से हराया

» भारतीय गेंदबाजों पर भारी पड़ी मिचेल-यंग की साझेदारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

राजकोट। डेरिल मिचेल के नाबाद शतकीय पारी और विल यंग तथा ग्लेन फिलिप्स की शानदार पारियों से न्यूजीलैंड ने दूसरे वनडे में भारत को सात विकेट से हराया। भारत ने केएल राहुल के शतक की बदौलत 50 ओवर में सात विकेट पर 284 रन बनाए। जवाब में न्यूजीलैंड ने मिचेल के 117 गेंदों पर 11 चौकों और दो छक्कों की मदद से नाबाद 131 रन की पारी के सहारे 47.3 ओवर में तीन विकेट पर 286 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ तीन मैचों की सीरीज 1-1 से बराबरी पर आ गई। यह जीत न्यूजीलैंड के लिए कई मायनों में खास रही।

यह 2023 के बाद भारत के खिलाफ वनडे में उनकी पहली जीत है, इससे पहले उन्हें लगातार आठ मैचों में हार का सामना करना पड़ा था। वहीं भारत में भी न्यूजीलैंड ने 2017 के बाद पहली बार वनडे मुकाबले में भारत को हराया है, जहां उसे लगातार आठ मैचों में शिकस्त मिली थी। लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड ने दो विकेट जल्दी गंवा दिए थे, लेकिन इसके बाद डेरिल मिचेल और विल यंग ने तीसरे विकेट के लिए 162 रनों की अहम साझेदारी कर मैच का रुख पलट दिया। यंग शतक से चूक गए और 98 गेंदों पर सात चौकों की मदद से 87 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद मिचेल ने ग्लेन फिलिप्स के साथ पारी को संभाला और टीम को जीत तक पहुंचाया। फिलिप्स ने 25 गेंदों पर दो चौकों और एक छक्के की मदद से नाबाद 32 रन बनाए। भारत की ओर से हर्षित राणा, प्रसिद्ध कृष्णा और कुलदीप यादव को एक-एक विकेट मिला।

केएल राहुल ने जड़ा शानदार शतक

इससे पहले, केएल राहुल की नाबाद शतकीय पारी के दम पर भारत ने न्यूजीलैंड के सामने 285 रनों का लक्ष्य रखा। न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर भारत को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। केएल राहुल ने 92 गेंदों पर 11 चौकों और एक छक्के की मदद से नाबाद 112 रन बनाए जिसके दम पर भारत ने 50 ओवर में सात विकेट पर 284 रन बनाए। भारत के लिए राहुल के अलावा शुभमन गिल ने 56 रन बनाए, जबकि अन्य बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सके। रवींद्र जडेजा ने 27, रोहित शर्मा ने 24, विराट कोहली ने 23, नीतीश कुमार रेड्डी ने 20, श्रेयस अय्यर ने आठ और हर्षित राणा ने दो रन बनाकर नाबाद रहे।

ईपीएफ-ईएसआई से लेकर यूजर चार्ज तक 'डकार' गई लायन सिक्योरिटी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम में तैनात कार्यदाई संस्था लायन सिक्योरिटी फर्म पर एक बार फिर गंभीर आरोप लगे हैं। फर्म के मालिक रणधीर सिंह पर कर्मचारियों के ईपीएफ, ईएसआई और यूजर चार्ज की धनराशि हड़पने का आरोप है। नगर निगम से पूरी धनराशि लेने के बावजूद कर्मचारियों के खातों में आज तक पैसा नहीं पहुंच पाया। सूत्रों के मुताबिक, नगर निगम द्वारा लायन सिक्योरिटी फर्म को कर्मचारियों के ईपीएफ-ईएसआई भुगतान के लिए राशि जारी की गई, लेकिन यह रकम कर्मचारियों के खातों में जमा नहीं कराई गई।

इससे पहले भी कई बार कर्मचारी इस मुद्दे को लेकर कड़ा विरोध प्रदर्शन कर चुके हैं, लेकिन नगर निगम द्वारा अब तक कोई कठोर कार्रवाई नहीं की गई। मामला केवल ईपीएफ-ईएसआई तक सीमित नहीं है। यूजर चार्ज में भी भारी गड़बड़ियां सामने आई हैं। इस गड़बड़ी को 4पीएम ने प्रमुखता से प्रकाशित किया था, जिसके बाद फर्म ने कुछ रकम जमा कर खानापूर्ति की, लेकिन आज भी करोड़ों रुपये का यूजर चार्ज बकाया

» नगर निगम की चुप्पी पर उठे सवाल

बताया जा रहा है। हैरानी की बात यह है कि नगर आयुक्त की सख्ती और स्पष्ट निर्देशों के बावजूद यूजर चार्ज की राशि अब भी देरी से जमा की जा रही है, जिससे निगम प्रशासन की सख्ती सिर्फ कागजों तक सीमित नजर आ रही है।नगर निगम की भूमिका भी सवालों के घेरे में है। आरोप है कि निगम केवल जुर्माना लगाकर अपना पल्ला झाड़ रहा है, जबकि कर्मचारियों के ईपीएफ-ईएसआई का पैसा आज भी उनके खातों तक नहीं पहुंच सका है। नगर निगम की चुप्पी और ढुलमुल कार्रवाई ने पूरे मामले को और भी गंभीर बना दिया है।

वरिष्ठ कवयित्री प्रेमलता रसबिंदु को सम्मान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोरखपुर। हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला ने वरिष्ठ कवयित्री श्रीमती प्रेमलता रसबिंदु को साहित्य के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रशस्ति पत्र भेजकर सम्मानित किया है। राज्यपाल द्वारा यह सम्मान सृजनात्मक लेखन, भावप्रवण काव्य और निरंतर साधना के लिए प्रदान किया गया। इस सम्मान की सूचना मिलते ही साहित्य जगत में खुशी की लहर दौड़ गई।

विभिन्न काव्यकारों एवं साहित्यप्रेमियों ने राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला का आभार व्यक्त करते हुए कवयित्री प्रेमलता रसबिंदु को बधाइयाँ दीं। गणमान्य नागरिकों ने शुभकामनाएं दी। कवयित्री प्रेमलता रसबिंदु की यह उपलब्धि युवा लेखकों और साहित्य प्रेमियों के लिए प्रेरणा मानी जा रही है। उनके काव्य में भावनाओं की गहराई और सामाजिक चेतना की झलक देखने को मिलती है।

छोटे-छोटे मेडिकल खर्चों से तनाव को बचाने की योजना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। ओपीडी संबंधी छोटे-छोटे खर्चों के लिए अब लोगों को परेशानी से बचाने के ओपीडी हेल्थ प्लान की योजना लाई गई है। आज के समय में ज्यादातर मेडिकल खर्च अस्पताल में भर्ती हुए बिना ही ओपीडी के होते हैं लेकिन पारंपरिक हेल्थ इंश्योरेंस में ओपीडी खर्च कवर नहीं होता है। लखनऊ जैसे शहर में एक परिवार में लगभग ओपीडी का खर्चा 10000 से 15000 साल का होता है। इस समस्या और स्वास्थ्य की जरूरत को ध्यान में रखते पहली बार एकओपीडी हेल्थ प्लान की शुरुआत की गई है। ये बातें के फ्यूचर हेल्थ सर्विसेज के एमडी मनीष रायजादा और जिलिथी टेक्नोलॉजी के सीईओ अभिषेक कुमार ने बताई।

जिसमें आप छोटे-छोटे इलाज डॉक्टर फीस और दवाइयों का खर्चा जेब पर भारी नहीं पड़ेगा, जो हर वर्ग के लिए बजट फ्रेंडली है। कम खर्चे में ज्यादा फायदा यही ओपीडी प्लान की सबसे बड़ी खासियत है। इस ओपीडी प्लान में डॉक्टर कंसल्टेंसी, दवाएं और जांचों पर विशेष डिस्काउंट सिर्फ एक क्लिक पर उपलब्ध है। जिसमें ओपीडी का समय सुबह 9 बजे से रात 9 बजे तक रहेगा। इसमें कोई भी व्यक्ति जिसकी उम्र 18 से 85 वर्ष का है वह अपने और अपने परिवार के लिए यह प्लान ले सकता है। इसमें पांच सौ से योजना प्रारंभ है।

काशी में मणिकर्णिका घाट के प्रस्तावित रूपांतरण पर सवाल

» कांग्रेस ने भाजपा सरकार पर किया प्रहार

» कांग्रेस अध्यक्ष खरगे बोले- सदियों पुरानी धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को नष्ट करने को प्रयास

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गुरुवार को वाराणसी के प्रसिद्ध श्मशान घाट, मणिकर्णिका घाट के प्रस्तावित रूपांतरण पर सवाल उठाते हुए इसे बेस्वाद सौंदर्यीकरण और व्यवसायीकरण का प्रयास बताया, जो सदियों पुरानी धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को नष्ट कर रहा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि विकास के नाम पर कई मंदिरों, छोटे-बड़े तीर्थस्थलों को ध्वस्त किया जा रहा है। मल्लिकार्जुन खर्गे ने पूछा कि लाखों लोग हर साल अपने जीवन के अंतिम पड़ाव में मोक्ष की तलाश में काशी आते हैं। क्या आपका इरादा इन श्रद्धालुओं के साथ विश्वासघात करने का है?

खरगे ने ध्वस्त की गई मूर्तियों और बुलडोजरों की तस्वीरें और वीडियो पर साझा किए

खरगे ने कथित तौर पर ध्वस्त की गई मूर्तियों और बुलडोजरों की तस्वीरें और वीडियो पर साझा किए। खरगे ने ड्ड पर लिखा कि बेस्वाद सौंदर्यीकरण और व्यवसायीकरण के नाम पर आपने बनारस के मणिकर्णिका घाट पर बुलडोजर चलाकर सदियों पुरानी धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को नष्ट कर दिया है। आप चाहते हैं कि ऐतिहासिक विरासत का हर टुकड़ा मिटा दिया जाए और उस पर सिर्फ आपकी नामपट्टिका चिपका दी जाए।

सांस्कृतिक धरोहर व्यापारिक मित्रों को सौंप रहे हैं मोदी

खरगे ने कहा कि गुप्त काल में स्थापित और लोकमाता अहिल्याबाई होलकर द्वारा पुनर्निर्मित इस दुर्लभ धरोहर को ध्वस्त करना एक अपराध है। उन्होंने पूछा कि क्या इसके पीछे प्रधानमंत्री मोदी के व्यापारिक मित्रों को लाभ पहुंचाने का इरादा है? कांग्रेस अध्यक्ष ने पूछा कि आपने पानी, जंगल, पहाड़ - सब कुछ उन्हें सौंप दिया, अब सांस्कृतिक धरोहर की बारी है। देश की जनता के आपसे दो सवाल हैं - क्या धरोहर को संरक्षित करते हुए जीर्णोद्धार, स्वच्छता और सौंदर्यीकरण नहीं किया जा सकता था? 2. मणिकर्णिका घाट पर बुलडोजर की चपेट में आने वाली सैकड़ों साल पुरानी मूर्तियों पर कुल्हाड़ी क्यों चलाई गई और उन्हें मलबे में क्यों फेंक दिया गया? क्या उन्हें किसी संग्रहालय में संरक्षित नहीं किया जा सकता था?

2023 में जीर्णोद्धार और पुनर्विकास की योजना की शुरुआत

मणिकर्णिका घाट के जीर्णोद्धार और पुनर्विकास की योजना की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 7 जुलाई, 2023 को आधारशिला रखने के साथ हुई थी। इस परियोजना की कुल जीर्णोद्धार लागत लगभग 17.56 करोड़ रुपये होने का अनुमान है। नए मणिकर्णिका घाट की छत पर विशेष अतिथियों के लिए बैठने की व्यवस्था होगी। इसके अलावा, रैंप, दर्शन क्षेत्र, बैठने की व्यवस्था और अन्य बुनियादी सुविधाओं को उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। मणिकर्णिका घाट पर एक लकड़ी का प्लाजा भी बनाया जाएगा, जहां शोक संतप्त लोग अंतिम संस्कार के लिए लकड़ी खरीद सकेंगे।

सुबह धीमी रहीं वोटिंग शाम होते-होते तेज

महाराष्ट्र में 29 नगर निकायों के चुनाव के लिए मतदान जारी

» मनसे व एनसीपी शरद गुट ने चुनाव आयोग पर उठाए सवाल

» कहीं ईवीएम की खराबी की शिकायत तो कहीं झड़प की खबरें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में महानगरपालिका चुनाव सुबह से धीमी शुरूआत के बाद तेजी में आ गई। कु छ जगहों पर हल्की फु ल्की झड़पें भी हुई। वंही मनसे अध्यक्ष राजठकारे ने वोटिंग इंक के तुरंत मिट जाने की बात कह कर चुनाव आयोग पर निशाना साधा। वहीं पनवेल महानगरपालिका के गुजराती स्कूल मतदान केंद्र पर आज सुबह जबरदस्त तनाव देखा गया।

यहां भारतीय जनता पार्टी और महाविकास अघाड़ी के कार्यकर्ताओं के बीच तीखी झड़प और नारेबाजी हुई। विवाद तब शुरू हुआ, जब एक व्यक्ति ने एक मतदाता को फर्जी बताते हुए उसे लॉकअप में डालने की मांग की, जिससे बीजेपी कार्यकर्ता भड़क गए। इससे पहले 92 वर्ष के वरिष्ठ बीजेपी नेता व उत्तर प्रदेश के पूर्व राज्यपाल राम नाईक ने सुबह ठीक 7:30 बजे मुंबई महानगरपालिका चुनाव के लिए अपना मतदान दिया। गोरेगांव के प्रभाग क्रमांक 51 से राम नाईक मतदाता है. पिछले 70 वर्षों से राम नाईक हमेशा ही सर्वप्रथम जाकर मतदान करते आए हैं।

ईवीएम मशीन में खराबी : अंकुश काकडे

पुणे में मतदान के दौरान राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) के नेता अंकुश काकडे ने ईवीएम मशीन को लेकर आरोप लगाए हैं। काकडे का दावा है कि तीन लोगों के मतदान करने के बाद जब चौथे व्यक्ति ने वोट डाला, तो मशीन की लाइट नहीं जली। इसके अलावा, उन्होंने मशीन के समय को लेकर भी सवाल उठाए हैं।

हैंड सैनेटाइजर से मिट जा रही है वोटिंग वाली स्याही : राजठाकरे

बीएमसी चुनाव के दौरान एमएनएस के चीफ राज ठाकरे ने बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि पहले जो स्याही मतदान में निशान के लिए प्रयोग की जाती थी उसकी जगह एक पेन का इस्तेमाल किया जा रहा है। इस पेन को लेकर कई शिकायतें आ रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि हैंड सैनिटाइजर का इस्तेमाल करने पर स्याही गायब हो जा रही है। उन्होंने कहा कि हम आपको बताना चाहते हैं कि कैसे सिस्टम चलाया जा रहा है। ये बस किसी तरह चुनाव जीतने का तरीका है। राज ठाकरे ने कहा कि सरकार और प्रशासन सत्ता हासिल करने के लिए हर तरह की कोशिश कर रही ह। राज ठाकरे ने कहा कि सरकार और प्रशासन सत्ता हासिल करने के लिए हर तरह की कोशिश कर रही है. उन्होंने कहा कि ये स्याही खरीदी गई लेकिन चुनाव आयोग किसी भी पार्टी को इसकी पूरी जानकारी नहीं दी। बार-बार अनुरोध के बाद भी हमें मशीन नहीं दी गई. उन्होंने मांग की कि चुनाव आयोग को इसके बारे में स्पष्टीकरण देना चाहिए. चिट्ठी सौंपने के बाद भी कुछ नहीं किया जा रहा है।

मुंबई पर टिकी है नजर

महाराष्ट्र में 29 नगर निकायों के चुनाव के लिए मतदान शुरू हो गया है सबकी नजर मुंबई पर टिकी है, जहां आर्थिक रूप से समृद्ध बीएमसी पर शासन को लेकर बीजेपी के नेतृत्व वाले महायुति और ठाकरे बंधुओं के गठबंधन के बीच दिलचस्प मुकाबला होने की उम्मीद जताई जा रही है। मतदान 893 वार्डों की 2,869 सीट के लिए सुबह साढ़े सात बजे शुरू होगा और शाम साढ़े पांच बजे समाप्त होगा. कुल 3.48 करोड़ मतदाता 15,931 उम्मीदवारों के राजनीतिक भविष्य का फैसला करेंगे. बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनावों में 227 सीट के लिए 1,700 उम्मीदवार मैदान में हैं। इस महानगरपालिका का वार्षिक बजट 74,000 करोड़ रुपये है।

एक्टर विजय को सुप्रीम झटका

» फिल्म जन नायकन से जुड़ी याचिका कोर्ट में खारिज

» हाईकोर्ट जाने का आदेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अभिनेता से नेता बने विजय अपनी आखिरी फिल्म जन नायकन को लेकर चर्चा में हैं। मद्रास हाईकोर्ट से निराशा हाथ लगने के बाद फिल्म के मेकर्स ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। मगर, सुप्रीम कोर्ट ने याचिका खारिज करते हुए मेकर्स को हाईकोर्ट जाने का आदेश दिया है। जन नायकन के मेकर्स ने सुप्रीम कोर्ट से सुनवाई की मांग करते हुए याचिका दायर की थी।

हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई मद्रास हाईकोर्ट में ही जारी रखने का आदेश दिया है। ये फिल्म 9 जनवरी को रिलीज होनी थी, लेकिन केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड से मंजूरी न मिलने के कारण फिल्म की रिलीजिंग आगे बढ़ा दी गई है। फिल्म के मेकर्स की याचिका खारिज करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मद्रास हाईकोर्ट 20 जनवरी को मामले पर सुनवाई करेगी। सुप्रीम कोर्ट ने फिल्म के मेकर्स को फटकार लगाते हुए कहा, हम इस मामले पर सुनवाई करने के इच्छुक नहीं हैं। सुप्रीम कोर्ट में मेकर्स का पक्ष रखते हुए एडवोकेट मुकुल रोहतगी ने कहा , फिल्म 9 जनवरी को रिलीज होने वाली थी। हमें पूरे भारत में 5000 थियेटर्स मिले थे। हमें कहा गया था कि 10 कट के बाद सर्टिफिकेट मिल जाएगा।

हिमाचल प्रदेश के सिरमौर अग्निकांड में छह की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नौहराधार(सिरमौर)। हिमाचल प्रदेश के जिला सिरमौर के नौहराधार की घंडूरी पंचायत के तलांगना में देर रात हुए भीषण अग्निकांड ने छह लोगों का जीवन छीन लिया है। इस दर्दनाक हादसे में घर के अंदर सो रहे तीन बच्चों सहित छह लोग जिंदा जल गए हैं।

माघी पर्व मनाने के लिए मायके आई दो बेटियों को क्या पता था कि उनका व उनके परिवार का यह अंतिम त्योहार होगा। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार अग्निकांड में विजय सिंह, भीम सिंह व मीन सिंह के घर जलकर राख हो गए। इंद्रा देवी पत्नी स्वर्गीय यशवंत सिंह का घर भी अग्निकांड में जल गया। इस दर्दनाक हादसे में माघी त्योहार मनाने के लिए मायके आई इंद्रा की दो बेटियां, उनके तीन बच्चे और एक दामाद की भी जिंदा जलकर मौत हो गई। दूसरा दामाद लोकेंद्र(42) पुत्र जोगेंद्र सिंह निवासी गांव विजर अग्निकांड में घायल हुआ है जिसका सीएचसी नौहराधार में उपचार चल रहा है। लोकेंद्र ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि वह अपने ससुराल गांव तलांगना में माघी पर्व में अपनी पत्नी व बच्चों के साथ गया था। साथ ही साली व उसका पति भी आए थे।

भोपाल में पिकअप और ट्रैक्टर-ट्रॉली की आमने-सामने हुई टक्कर में हुआ हादसा

एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत, 12 घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। भोपाल के बैरसिया में मकर सं क्र ांति के दिन पिकअप और ट्रैक्टर-ट्रॉली की आमने-सामने टक्कर में एक ही परिवार के पांच लोगों की मौके पर मौत हो गई। हादसे में दोनों वाहनों के 12 लोग घायल हुए, जिनमें बच्चे भी शामिल हैं। घायलों का अस्पताल में इलाज जारी है। राजधानी भोपाल के ग्रामीण क्षेत्र बैरसिया थाना अंतर्गत बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात एक भीषण सड़क हादसे में एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई है।

हादसे में 12 लोग घायल हुए हैं, जिनमें 10 लोग लोडिंग वाहन में सवार थे और दो लोग ट्रैक्टर-ट्रॉली में। कुछ घायलों की स्थिति गंभीर बनी हुई है। लोडिंग वाहन में सवार सभी 15 लोग एक ही परिवार के थे और गुरुवार को मकर संक्रांति के अवसर पर नर्मदापुरम में नर्मदा स्नान करने जा रहे थे। हादसे के बाद मौके पर चीत्कार मच गई। घटना की सूचना मिलने के बाद देर रात बैरसिया एसडीएम आशुतोष शर्मा, विधायक विष्णु खत्री, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नीरज चौरसिया सहित अन्य पुलिस अधिकारी भी अस्पताल पहुंचकर घायलों के समुचित इलाज के निर्देश दिए हैं। हादसा लोडिंग वाहन के तेज रफ्तार में होने के कारण घटित होना बताया जा रहा है। हालांकि घायलों के बयान अभी नहीं हो सके हैं। स्थिति ठीक होने के बाद बैरसिया पुलिस सभी घायलों के बयान दर्ज करेगी। बैरसिया थाना प्रभारी वीरेन्द्र सेन ने बताया कि विदिशा जिले के सिरोंज थाना क्षेत्र के रहने वाले एक परिवार के 15 लोग नर्मदापुरम जा रहे थे। श्रद्धालुओं को नर्मदापुरम लेकर जा रहा लोडिंग वाहन बीती रात जब ठाकुर लाल सिंह स्कूल के पास पहुंचा थ, तभी सामने से आ रहे ट्रैक्टर और ट्राली से टक्कर हो गई। हादसे में लोडिंग वाहन की रफ्तार अधिक होने के कारण वह बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। लोडिंग वाहन में सवार पांच लोगों की मौत हो गई है।

महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। विधि सलाहकार : मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष : 0522- 4078371 | Email : daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा